twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 21 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 165, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

मणिपुर में पुलिस ने 9 लोगों को किया अरेस्ट

इंफाल

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद भी हालात पूरी तरह से सामान्य नहीं हुए हैं। बीते 48 घंटे में इंफाल घाटी से 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह सभी लोग प्रतिबंधित संगठनों के सदस्य हैं, जिनकी गिरफ्तारी मणिपुर के अलग-अलग जिलों से हुई है। इंफाल पूर्व जिले के नोंगडम गांव से यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के 2 सदस्यों को हिरासत में लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार यह दोनों आरोपी जबरन वसूली में शामिल थे। इससे पहले पुलिस ने विष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग वार्ड नंबर 13 से भी एक शख्स को गिरफ्तार किया था। इसका संबंध कांगलीपक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी-तैबंगानबा) से बताया जा रहा है।

ममता से नहीं संभल रहा बंगाल: दिलीप

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में हिंसा के बाद से ममता सरकार लगातार सवालों के कठघरे में है। बीजेपी नेता दिलीप घोष ने भी ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि पश्चिम बंगाल के इतिहास में ममता बनर्जी सबसे खराब सीएम हैं। ममता के नेतृत्व में राज्य को कई मुसीबतें उठानी पड़ी हैं। साथ ही उन्होंने मिथुन चक्रवर्ती के बयान का भी समर्थन किया है। दिलीप घोष का कहना है कि वो पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने वाली मिथुन चक्रवर्ती की बात से पूरी तरह सहमत हैं। राज्य में कानून व्यवस्था बदतर हो चुकी है। ऐसे में जनता की सुरक्षा के लिए सेना तैनात करने की सख्त जरूरत है।

पीएम सिविल सेवकों को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को 17वें सिविल सेवा दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक दिवसीय सिविल सेवा दिवस सम्मेलन में राष्ट्र के सिविल सेवकों को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी जिलों और केन्द्र व राज्य सरकारों को चिन्हित प्राथमिकता कार्यक्रमों और नवाचारों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री समग्र विकास और नवाचारों की कहानियों की एक ई-पुस्तकें जारी करेंगे।

पाकिस्तान का "नापाक" चेहरा फिर बेनकाब

पाकिस्तान में कुलभूषण ऊंची अदालत में अपील नहीं कर सकेंगे

सिर्फ कॉन्सुलर मदद मुहैया कराई; जासूसी के आरोप में जाधव 9 साल से जेल में बंद

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को ऊपरी अदालत में अपील करने का अधिकार नहीं दिया गया है। यह जानकारी पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दी। दरअसल पाक सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान के समर्थकों की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में सुनवाई चल रही थी। इस दौरान कोर्ट ने वकील से पूछा कि क्या कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार मिला था और अगर मिला था तो पाकिस्तान के नागरिकों को यह अधिकार क्यों नहीं? इस पर रक्षा मंत्रालय के वकील ने कहा कि जाधव को अपील का कोई अधिकार नहीं मिला था। जाधव 2016 से पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। पाकिस्तान ने उन पर जासूसी करने का आरोप लगाया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक जाधव को 2019 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले के बाद सिर्फ कॉन्सुलर एक्सेस दिया गया था। कॉन्सुलर एक्सेस का प्रावधान होने पर आरोपी को हाई कमीशन के जरिए मदद मिलती है।

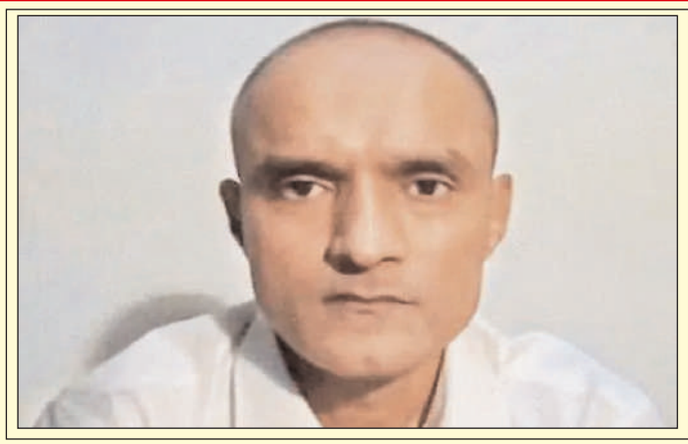

पाकिस्तान का दावा- जाधव को बलूचिस्तान से गिरफ्तार किया

पाकिस्तानी सेना ने 3 मार्च 2016 को बताया था कि उसने कुलभूषण जाधव को बलूचिस्तान प्रांत से गिरफ्तार किया था।

पाकिस्तान ने कुलभूषण पर जासूसी और देशविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया था।

कुलभूषण को अगवा कराने वाला मुफ्ती मीर मारा गया

पाकिस्तान ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें जाधव ने कथित तौर पर स्वीकार किया था कि वह भारतीय खुफिया एजेंसी फ्अह के लिए काम कर रहे थे और बलूचिस्तान और कराची में अस्थिरता फैलाने में शामिल थे। हालांकि, भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा था कि ये जबरन लिया गया बयान है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों ने जाधव को ईरान से अगवा किया। जाधव रिटायरमेंट के बाद ईरान में बिजनेस कर रहे थे।

कुलभूषण को अगवा कराने वाला मुफ्ती मीर मारा गया

कुलभूषण जाधव को अगवा कराने में मदद करने वाले मुफ्ती शाह मीर की पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मारा जा चुका है। उसे मार्च में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मार दी। मुफ्ती मीर ने ईरान से कुलभूषण जाधव को अगवा करने में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद की थी। शुक्रवार रात को नमाज के बाद वह मस्जिद से बाहर निकल रहा था। तभी बाइक सवार हमलावरों ने घात लगाकर उस पर हमला कर दिया और कई गोली मारी। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक गोली लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। ह्यूमन ट्रैफिकिंग (मानव तस्करी) और हथियारों की तस्करी में शामिल मुफ्ती मीर इस्लामिक कट्टरपंथी पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम का मेंबर था।

पाकिस्तान एक नाकाम देश: भारत

दान के पैसों पर जिंदा रहता है, यूएन में दिए इनके भाषण में पाखंड की बू आती है

पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप लगाता रहा है। इस पर भारत ने कहा- पाकिस्तान एक नाकाम देश है, जो खुद दान के पैसों पर जिंदा रहता है। संयुक्त राष्ट्र में इनके प्रतिनिधियों की तरफ से दिए गए भाषणों में पाखंड की बू आती है।

भारत ने कहा- पाकिस्तान हमेशा झूठ फैलाता है

क्षितिज त्यागी ने कहा कि हमें इसमें कोई आश्चर्य नहीं होता कि पाकिस्तानी नेता आतंकियों की तरफ से प्रचारित झूठ को फैलाते हैं। पाकिस्तान ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन को अपना मुखपत्र बताकर संगठन का मजाक उड़ा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस संगठन का समय एक असफल राज्य द्वारा बर्बाद किया जा रहा है। भारत बोला- पाकिस्तान पहले अपने यहां के हालात देखे क्षितिज त्यागी ने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की तरफ से लगाए गए आरोपों पर कहा- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न हिस्सा थे, हैं और रहेंगे। पाकिस्तान को भारत के बजाय अपने देश के हालात बदलना चाहिए। त्यागी ने ये भी कहा, इनकी (पाकिस्तान) बयानबाजी में पाखंड की बू आती है। इसकी हरकतें अमानवीय हैं और ये शासन व्यवस्था चलाने में अक्षमता हैं। भारत लोकतंत्र, प्रगति और अपने लोगों के लिए सम्मान सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

सीएम रेखा गुप्ता ने 1,111 जीपीएस से युक्त जल टैंकरों को किया रवाना

नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को डीडीए ग्राउंड आउटर रिंग रोड बुराड़ी से दिल्ली जल बोर्ड के 1,111 जीपीएस से युक्त जल टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इन्द्रराज सिंह, कपिल मिश्रा, सांसद मनोज तिवारी, बांसुरी स्वराज, कमलजीत सेहरावत योगेंद्र चंदौलिया, प्रवीण खंडेलवाल और विधायकों समेत दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि इस पहल का उद्देश्य दिल्ली की जल आपूर्ति व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और जवाबदेह बनाना है। यह कदम विशेष रूप से उन क्षेत्रों को ध्यान में रखकर उठाया गया है, जहां पाइपलाइन से जलापूर्ति नहीं हो पाती है। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली में आधुनिक जीपीएस ट्रैकिंग से टैंकर माफिया पर सख्त लगाम लगेगी। इन टैंकरों की 24ग्7 निगरानी सीधे तौर पर सेंद्रल कंट्रोल रूम से की जाएगी। इसके साथ ही दिल्ली जल बोर्ड ऐप के माध्यम से नागरिक न केवल जल टैंकरों की ट्रैकिंग कर सकेंगे, बल्कि अपनी शिकायतें दर्ज कर उनके समाधान की प्रक्रिया भी देख सकेंगे।

'वन नेशन वन इलेक्शन' को लेकर दिल्ली भाजपा कार्यालय में हुई अहम बैठक

वन नेशन वन इलेक्शन देश की आवश्यकता है : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने रविवार को प्रदेश कार्यालय में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा की मौजूदगी में "वन नेशन वन इलेक्शन" को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित किया। बैठक में प्रदेश महामंत्री सांसद योगेंद्र चंदोलिया और कमलजीत सहरावत, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश उपाध्याय, दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज सिंह एवं रविन्द्र इंद्रराज, वन नेशन वन इलेक्शन के दिल्ली संयोजक गजेंद्र यादव, सह संयोजक अशोक गोयल देवराहा और योगेंद्र लाकड़ा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। वीरेंद्र सचदेवा ने बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि "वन नेशन वन इलेक्शन" देश की आवश्यकता है। आज एक कार्यशाला के माध्यम से राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिसमें "वन नेशन वन इलेक्शन" राष्ट्र का अभियान बनें इस मुद्दे पर हमने चर्चा की है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि बार-बार देश में चुनाव होने देश का विकास बाधित होता है। पिछले 30 सालों का आंकड़ा अगर आप देखे तो हर साल किसी न किसी राज्य में चुनाव होता है। उन्होंने कहा कि हर पांच साल पर लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव होते है।

निशिकांत के बयान से भाजपा ने किया किनारा

पार्टी ऐसे बयानों का समर्थन नहीं करती: नड्डा

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा द्वारा न्याय पालिका और देश के मुख्य न्यायाधीश को लेकर दिए गए विवादास्पद बयानों से स्पष्ट रूप से दूरी बना ली है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट जारी कर कहा कि ये दोनों बयान व्यक्तिगत हैं। भाजपा का उनसे कोई संबंध नहीं है और पार्टी ऐसे बयानों का समर्थन नहीं करती है। जेपी नड्डा ने कहा, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा के न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान पूरी तरह से व्यक्तिगत हैं। भारतीय जनता पार्टी न तो इन बयानों से सहमति रखती है और न ही ऐसे किसी भी बयान का समर्थन करती है। पार्टी इन बयानों को स्पष्ट रूप से खारिज करती है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा ने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है और अदालतों के आदेशों एवं सुझावों को सहर्ष स्वीकार किया है। नड्डा ने कहा कि देश की अदालतें, विशेषकर सर्वोच्च न्यायालय, लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ हैं और संविधान की रक्षा का आधार हैं।

मुर्शिदाबाद के पीड़ितों का दर्द 'अकल्पनीय': महिला आयोग

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले में हुई हालिया हिंसा को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख विजय रहाटकर ने राज्य सरकार से तुरंत और मानवीय तरीके से पीड़ितों की समस्याओं को सुलझाने की अपील की है। रहाटकर ने कहा कि उन्होंने पीड़ित महिलाओं और उनके परिवारों से मुलाकात की और जो कुछ उन्होंने देखा और सुना, वह कल्पना से परे और बेहद दर्दनाक था। रविवार को कोलकाता के एक होटल में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'पिछले दो दिनों में हम कई महिलाओं, बच्चों और उनके परिवारों से मिले। उनके साथ जो अत्याचार हुआ, वह शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। उनके मन पर गहरे घाव हैं, जिन्हें भरना बहुत जरूरी है।'

पीड़ितों की सुरक्षा की मांग

एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने कहा कि कई महिलाओं ने उनसे क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल की तैनाती की मांग की ताकि उन्हें सुरक्षा और भरोसा मिल सके। उन्होंने कहा, 'वहां डर और असुरक्षा का माहौल है। हम इन मांगों को अपनी रिपोर्ट में शामिल करेंगे।' रिपोर्ट जल्द ही केंद्र सरकार, राज्य के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव को सौंपी जाएगी। एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने कहा, 'एक मां 4 दिन के बच्चे को लेकर जान बचाते हुए भाग रही थी। कहीं नवविवाहिता का पूरा घर लूट लिया गया।

मुर्शिदाबाद हिंसा: भाजपा ने ममता की इस्तीफे की उठाई मांग

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर सियासी बवाल और तेज हो गया है। जहां अब भाजपा नेता अमित मालवीय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी अपने प्रशासन की विफलताओं के लिए भाजपा और आरएसएस को दोष देकर जनता को गुमराह कर रही हैं।

मालवीय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मुख्यमंत्री बार-बार कह रही हैं कि हिंसा बाहरी लोगों ने करवाई, जबकि राज्य पुलिस की रिपोर्ट उनके दावे से मेल नहीं खाती। उन्होंने ममता पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाने और आरएसएस पर बेबुनियाद आरोप लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पहले भी खगरागढ़ विस्फोट मामले में मुख्यमंत्री ने बिना सबूत आरएसएस को दोषी ठहराया था।

धन्ना भगत जी का जीवन प्रेरणास्त्रोत: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने धन्ना भगत जी के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान करते हुए कहा कि उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए हम सभी एक बेहतर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को शिक्षित करें और समाज से जात-पात, ऊँच-नीच की खाइयों को पाटते हुए भाईचारा बढ़ाने का काम करें। मुख्यमंत्री आज धन्ना भगत जी की जयंती के अवसर पर जिला जींद के उचाना के गाँव पालवां में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने दाड़न खाप द्वारा रखी गई मांगों पर घोषणा करते हुए कहा कि गांव पालवां में तालाब की रिटेनिग वॉल, एक शेड तथा एक कमरे का निर्माण करवाया जाएगा। साथ ही, गांव पालवां में दाड़न खाप भवन की चारदीवारी और ग्रिल का कार्य भी पूरा करवाया जाएगा। इसके अलावा, दाड़न खाप भवन में बरामदा-कम-हॉल का निर्माण भी करवाया जाएगा। इसके अलावा, पालवां में दाड़न खाप भवन में 40 केवी लोड बढ़ाने के लिए आवेदन करने पर विभागीय मानदंडों के अनुसार भवन में 40 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जन को धन्ना भगत की जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धन्ना भगत जी का व्यक्तित्व पूर्णिमा के चन्द्रमा की तरह शीतल और उज्ज्वल था। वे विख्यात संत रामानंद आचार्य जी के शिष्य थे। संत रामानंद आचार्य जी ने उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन का व्यापक प्रचार- प्रसार किया था। उनकी प्रेरणा से ही धन्ना भगत जी ने भक्ति आंदोलन का इतना प्रचार किया कि उन्हें राजस्थान में इस आंदोलन का प्रणेता कहा जाने लगा। धन्ना भगत जी का जीवन सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत महात्माओं, ऋषि मुनियों और गुरुओं ने भूली भटकी मानवता को जीवन का सही मार्ग दिखाया है। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की धरोहर है और उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। संतों की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने संत महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना चलाई है, जिसके तहत संतों व महापुरुषों की जयंतियों के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। आज का यह कार्यक्रम भी इसी योजना के तहत आयोजित किया गया है।

धन्ना भगत के जीवन से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार सबके कल्याण व उत्थान के लिए कर रही कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि धन्ना भगत जी की सोच थी कि हर व्यक्ति सुखी, संपन्न और खुशहाल हो। उनकी सोच और विचारों को आगे बढ़ाते हुए और उनके जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार हरियाणा एक-हरियाणवी एक के भाव से सबके कल्याण व उत्थान का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब समाज कई तरह की सामाजिक व अन्य चुनौतियों का सामना कर रहा है तो धन्ना भगत जी की शिक्षाओं व संदेश की महत्ता और अधिक बढ़ जाती है।

हमारी सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ काम कर रही, न पानी की लीकेज होगी, न भ्रष्टाचार की:सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1,111 जीपीएस युक्त पानी के टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली में जल आपूर्ति को पारदर्शी और सुगम बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य टैंकर माफिया को खत्म कर हर घर तक नल के माध्यम से पानी पहुंचाना है। यह आयोजन दिल्ली के विकास और जल संकट के समाधान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारा मकसद केवल हंगामा खड़ा करना नहीं, बल्कि दिल्ली की सूरत बदलना है। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली के सांसद, विधायक, पार्षद और अधिकारी एकजुट होकर विकास के लिए काम कर रहे हैं।'

उन्होंने पिछले 27 सालों के 'दुख के वनवास' को समाप्त करने का संकल्प दोहराया। गुप्ता ने बताया कि सरकार के गठन के 60 दिनों में ही टैंकर माफिया को खत्म करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए प्रत्येक टैंकर में जीपीएस सिस्टम और कमांड सेंटर की व्यवस्था की गई है, ताकि पानी की आपूर्ति की निगरानी हो सके। उन्होंने कहा, 'हर टैंकर की निगरानी जनता स्वयं करेगी। हमारी सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ काम कर रही है। न पानी की लीकेज होगी, न भ्रष्टाचार की।' मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि टैंकर अस्थायी समाधान हैं। सरकार का मुख्य लक्ष्य योजनाबद्ध तरीके से टाउन प्लानिंग के तहत हर घर तक नल से जल पहुंचाना है।

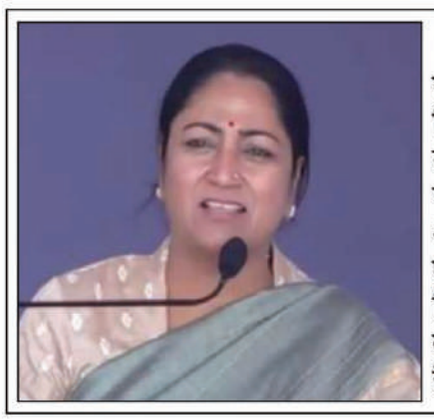

● 'नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली के सांसद, विधायक, पार्षद और अधिकारी एकजुट होकर विकास के लिए काम कर रहे हैं।'

इसके लिए जल विभाग के लिए 9,000 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें 150 करोड़ रुपये स्मार्ट मीटर और स्काडा सिस्टम के लिए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, दिल्ली की सूख चुकी जल संरचनाओं को पुनर्जनन, पाइपलाइन बिछाने, नालों की री-मॉडलिंग और डी-सिल्टिंग जैसे कार्यों के लिए भी फंड आवंटित किए गए हैं। गुप्ता ने कहा, फंड की कमी से कोई भी काम रुकेगा नहीं।

हम डिजिटल दिल्ली के सपने को हर विभाग में लागू करेंगे।' कार्यक्रम में मौजूद सांसदों, मंत्रियों और अधिकारियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए दिल्ली के विकास के लिए मिलकर काम करने का वादा किया।मुख्यमंत्री ने पुरानी सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले सांसद और स्थानीय प्रतिनिधियों के बीच तालमेल की कमी थी, जिसके कारण श्रेय लेने की होड़ रहती थी। लेकिन अब सभी एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल दिल्लीवासियों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है। जीपीएस युक्त टैंकरों और पारदर्शी व्यवस्था के साथ सरकार जल संकट को खत्म करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है।

रामबन में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात

राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध; तीन की मौत, 100 से अधिक को बचाया गया

एजेंसी

उधमपुर। उधमपुर से भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर बताया कि बीती रात रामबन क्षेत्र में भारी ओलों की बारिश, तेज हवाएं चलीं और कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ था। इस प्राकृतिक आपदा से राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है और दुर्भाग्यवश तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कुछ परिवारों को संपत्ति का नुकसान हुआ है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वे रामबन के उपायुक्त बसीर-उल-हक चौधरी से संपर्क में हैं और जिला प्रशासन की तत्परता और सराहनीय कार्रवाई की प्रशंसा की, जिसने कई जानें बचाईं। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रभावित परिवारों को सभी प्रकार की सहायता दी जा रही है, चाहे वह आर्थिक हो या अन्य कोई मदद। यदि जरूरत पड़ी तो सांसद निधि से व्यक्तिगत रूप से भी सहायता प्रदान की जाएगी। जितेंद्र सिंह ने लोगों को डरने के बजाय धैर्य रखने और संयम बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर इस आपदा से पार पाएंगे। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रविवार भारी बारिश से धर्म कुंड गांव सबसे अधिक प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 100 से अधिक ग्रामीणों को सुरक्षित बचा लिया गया है। नाशरी से बनिहाल तक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-44) पर लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन और कीचड़ धंसने (मडस्लाइड) की घटनाएं हुईं, जिससे यातायात दोनों ओर बंद हो गया है। धर्म कुंड गांव में बाढ़ ने लगभग 40 घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। बादल और बारिश के बावजूद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया और फंसे लोगों को बाहर निकाला। यातायात विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि बारिश अभी भी जारी है, इसलिए यात्रियों से अपील की गई है कि वे रास्ता साफ होने और मौसम सुधरने तक इस मार्ग पर यात्रा न करें। स्थिति पर प्रशासनिक टीमें लगातार निगरानी कर रहे हैं और राहत कार्य जारी है।

मोदी आज सिविल सेवकों को करेंगे संबोधित

प्रधानमंत्री समग्र विकास और नवाचारों की कहानियों की एक ई-पुस्तकें भी जारी करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को 17वें सिविल सेवा दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक दिवसीय सिविल सेवा दिवस सम्मेलन में राष्ट्र के सिविल सेवकों को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी जिलों और केन्द्र व राज्य सरकारों को चिन्हित प्राथमिकता कार्यक्रमों और नवाचारों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री समग्र विकास और नवाचारों की कहानियों की एक ई-पुस्तकें जारी करेंगे। कैबिनेट सचिव डॉ. टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में 'सिविल सेवा सुधार- चुनौतियां और अवसर' पर एक पूर्ण सत्र होगा।

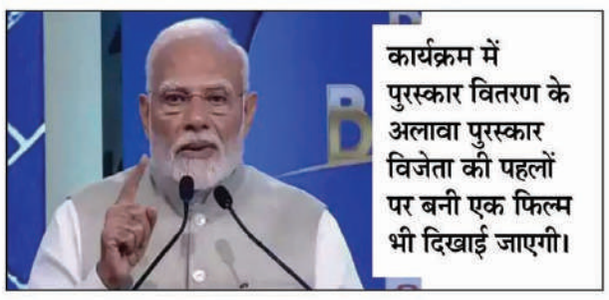

कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण के अलावा पुरस्कार विजेता की पहलों पर बनी एक फिल्म भी दिखाई जाएगी।

इसके अलावा विभिन्न कार्यक्रमों के चार अलग-अलग सत्र होंगे। शहरी परिवहन को मजबूत करने संबंधी एक सत्र की अध्यक्षता केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री व बिजली मंत्री मनोहर लाल करेंगे। आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना और आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से स्वस्थ भारत को बढ़ावा देने पर सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा करेंगे, जबकि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के लिए पोषण को बढ़ावा देने संबंधी सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम पर सत्र की अध्यक्षता नीति आयोग के सीईओ सुब्रह्मण्यम करेंगे।कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण के अलावा पुरस्कार विजेता की पहलों पर बनी एक फिल्म भी दिखाई जाएगी। इस समारोह में केन्द्र के सचिव, अतिरिक्त सचिव, संयुक्त सचिव, उप सचिव, सहायक सचिव तथा राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी जिनमें मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव तथा केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुख, रेजिडेंट कमिश्नर, केंद्रीय सेवाओं के अधिकारी तथा जिला कलेक्टर शामिल होंगे।

'मोइरंग दिवस' पर नेताजी सुभाष बोस को श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर आईएनए ट्रस्ट की ओर से रविवार को 'मोइरंग दिवस' को श्रद्धापूर्वक एवं गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया।। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री टोकन साहू थे। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रवीन्द्र इंद्राज सिंह और शोभित विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. कुंवर शेखर विजेंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा, आईएनए ट्रस्ट के अध्यक्ष ब्रिगेडियर आर.एस. छिक्कारा, न्यासी दिनेश सिंह, डॉ. निधि कुमार और रणनीतिक सलाहकार मंदीप मुखर्जी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना एवं राज्य सभा सदस्य सोनल मान सिंह सांस्कृतिक संरक्षक के रूप में कार्यक्रम से प्रतीकात्मक रूप से जुड़ी रहीं। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन और 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति के साथ हुई।

निशिकांत दुबे ने पूर्व चुनाव आयुक्त पर लगाए आरोप, कहा- झारखंड में घुसपैठियों को आपके कार्यकाल में वोटर बनाया गया

एजेंसी

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ. एस. वाई. कुरैशी पर मुस्लिम आयुक्त होने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया है। दुबे ने अपने पोस्ट में कुरैशी के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें कुरैशी ने वक्फ कानून को सरकार की ऐसी योजना बताया था, जो मुस्लिम जमीनों को हड़पने के लिए बनाई गई है।

दुबे ने कुरैशी पर झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में उनके कार्यकाल के दौरान बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता बनाने का आरोप लगाया। असल में 17 अप्रैल को पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी ने एक 'एक्स' पोस्ट में लिखा था, 'यह वक्फ कानून निश्चित रूप से मुस्लिमों की जमीन हड़पने की सरकार की एक बहुत बुरी साजिश है। मुझे पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट इसे गलत बताएगा। शरारती प्रचार तंत्र ने भी गलत जानकारी फैलाकर अपना काम अच्छे से कर दिया है। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए 20 अप्रैल को निशिकांत दुबे ने लिखा, आप चुनाव आयुक्त नहीं, मुस्लिम आयुक्त थे। झारखंड के संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोटर सबसे ज्यादा आपके कार्यकाल में ही बनाया गया। इस्लाम धर्म भारत में 712 में आया, उसके पहले तो यह जमीन हिंदुओं की या उस आस्था से जुड़ी आदिवासी, जैन या बौद्ध धर्मावलंबियों की थी। उन्होंने देश को जोड़ने की अपील करते हुए पोस्ट में आगे लिखा, ÷मेरे गांव विक्रमशिला को बख्तियार खिलजी ने 1189 में जलाया। अतिश दीपांकर के तौर पर विक्रमशिला विश्वविद्यालय ने दुनिया को पहला कुलपति दिया। इस देश को जोड़ो, इतिहास पढ़ो। तोड़ने से पाकिस्तान बना, अब बंटवारा नहीं होगा? दुबे के ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर समर्थन और विरोध दोनों देखने को मिले। कुछ यूजर्स ने उनके बयान का समर्थन करते हुए कहा कि देश को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो सच बोलने की हिम्मत रखते हों। इससे पहले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट की चल रही सुनवाई के संदर्भ में न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठाए थे। उन्होंने न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट ही कानून बनाएगा, तो संसद को बंद कर देना चाहिए। दुबे के इस बयान पर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने इस बयान से किनारा करते हुए इसे नेता की व्यक्तिगत राय करार दिया और ऐसी टिप्पणियों से बचने का निर्देश जारी किया।

इस बार विदेश की धरती पर भारत का अपमान नहीं, सम्मान हो, राहुल गांधी इसका ध्यान रखें : भाजपा

पटना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक बार फिर अमेरिका दौरे पर हैं। इस यात्रा को लेकर बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एनआरआई सेल के संयोजक मनीष सिन्हा ने प्रतिक्रिया देते हुए बड़ी नसीहत दे दी है। उन्होंने राहुल गांधी से अपील की है कि वह विदेशी धरती पर भारत की छवि को धूमिल न करें। मनीष सिन्हा ने कहा, मैं समस्त प्रवासी भारतीयों और देशवासियों की ओर से राहुल गांधी से आग्रह करता हूँ कि वह अपनी राजनीतिक विफलताओं की निराशा को विदेशी मंचों पर भारत विरोधी टिप्पणियों में न बदलें। पूर्व में भी राहुल गांधी ने विदेशी दौरे के दौरान भारत की संस्कृति, समाज और लोकतंत्र को लेकर कई द्वेषपूर्ण टिप्पणियां की थीं, जिससे करोड़ों भारतीयों की भावनाएं आहत हुई थीं। सिन्हा ने आगे कहा कि भारत की राजनीति का स्तर देश के भीतर तय होना चाहिए, न कि विदेशी मंचों पर। उन्होंने कहा कि, इस बार विदेश की धरती पर भारत का अपमान नहीं, सम्मान हो। मातृभूमि राजनीति का माध्यम नहीं, गर्व का प्रतीक है- कृपया इसका मान रखें। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी अहम मौके पर ही विदेश जाते रहे हैं। सही अर्थ में कांग्रेस को फिलहाल पार्ट टाइम पॉलिटिक्स, फुल टाइम पर्यटन वाले नेता की जरूरत नहीं है। कांग्रेस को आज फुल टाइम पॉलिटिक्स करने वाले नेता की जरूरत है। राहुल गांधी अमेरिकी थिंक टैंकों, प्रवासी भारतीय समुदाय और छात्र समूहों के साथ संवाद करेंगे। उनके इस दौरे में भारत की राजनीतिक स्थिति, लोकतंत्र की दशा और मानवाधिकारों जैसे मुद्दे उठाए जाने की संभावना है।

मेरठ के सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमंग मित्तल को रोबोटिक सर्जरी में मिली फेलोशिप

नई दिल्ली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाने-माने कैंसर विशेषज्ञों में शुमार सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमंग मित्तल ने रविवार को रोबोटिक सर्जरी में फेलोशिप प्राप्त की। हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी कन्वेंशन हॉल में रविवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में डॉ. उमंग मित्तल को यह फेलोशिप डिप्लोमा प्रदान किया गया। वे 6वें कैंसर समिट एंड अवॉर्ड्स 2025 में केयर लीडरशिप अवॉर्ड-सर्जिकल ऑन्कोलॉजी से भी सम्मानित हो चुके हैं। डॉ. उमंग वर्ष 1999 से मेरठ और एनसीआर में प्रैक्टिस कर रहे सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट हैं। उन्होंने कैंसर के 20000 से अधिक मामलों का ऑपरेशन किया है और इस क्षेत्र में कैंसर के इलाज की नवीनतम तकनीकें लेकर आए हैं, जिसमें स्तन कैंसर में स्तन संरक्षण सर्जरी, मौखिक कैंसर के बाद जबड़े और जीभ का फ्री फ्लैप पुनर्निर्माण शामिल हैं।

पुणे जिले के कद्दावर नेता संग्राम थोपटे ने छोड़ी कांग्रेस

एजेंसी

मुंबई। पुणे जिले में कांग्रेस पार्टी को करारा झटका लगा है। जिले के कद्दावर नेता संग्राम अनंतराव थोपटे ने कांग्रेस पार्टी को छोड़ दिया है। रविवार को थोपटे ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता सहित सभी पदों से अपना इस्तीफा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को भेज दिया है। अटकलें लग रही है कि थोपटे बहुत जल्द भाजपा में शामिल हो सकते हैं। पुणे जिले के पूर्व विधायक संग्राम थोपटे कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे हैं। संग्राम थोपटे के पिताजी अनंतराव थोपटे भोर विधानसभा क्षेत्र से छह बार विधायक बन चुके हैं और वे राज्य में मंत्री भी थे। इसके बाद भोर विधानसभा क्षेत्र से संग्राम थोपटे तीन बार विधायक बने, लेकिन हालही में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था।

महाविकास आघाड़ी के कार्यकाल में संग्राम थोपटे को विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने की जोरदार चर्चा थी, लेकिन अचानक पार्टी ने नाना पटोले को विधानसभा अध्यक्ष बना दिया था, तब से ही थोपटे कांग्रेस से नाराज थे।

सपा दलितों की हितैषी नहीं हो सकती: मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि सपा के लोगों ने हमेशा बसपा के साथ विश्वासघात किया है।

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा आदि की तरह ही सपा भी अपनी नीयत व नीति में खोट-द्वेष है, इस कारण सपा कभी भी दलितों-बहुजनों की सच्ची हितैषी नहीं हो सकती है। वोटों के स्वार्थ की खातिर लगातार छलावा करती रहेगी, जबकि बसपा 'बहुजन समाज' को शासक वर्ग बनाने के लिए हमेश संघर्ष करती रहेगी। मायावती ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, 'कांग्रेस-भाजपा की तरह सपा में भी गरीबी, जातिवादी शोषण व अन्याय-अत्याचार आदि को समाप्त करने की इच्छाशक्ति नहीं है। दलितों को संवैधानिक अधिकार देकर उनका वास्तविक कल्याण व उत्थान करना तो दूर की बात है। इसके कारण वे मुख्यधारा से कोसों

दूर हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि सपा के लोगों ने हमेशा बसपा के साथ विश्वासघात किया है। 2 जून को सपा नेतृत्व पर जानलेवा हमला, संसद में पदोन्नति में आरक्षण का बिल फाड़ना, संतों, गुरुओं व महापुरुषों के सम्मान में बनाए गए नए जिलों, पार्कों, शैक्षणिक व मेडिकल कॉलेजों के नाम बदलना आदि ऐसे घोर जातिवादी कृत्य हैं, जिन्हें माफ करना असंभव है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी अपने सतत प्रयासों से जाति व्यवस्था को खत्म करने व समाज में भाईचारा कायम करने के अपने मिशन में काफी हद तक सफल रही है, लेकिन समाजवादी पार्टी अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए इसे हर तरह से बिगाड़ने में लगी हुई है, इससे लोगों को सावधान रहना चाहिए।

महाराष्ट्र में 40 लाख के इनामी चार नक्सली गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के पल्ली जंगल में पुलिस ने सी-60 कमांडो की हत्या में शामिल और 40 लाख रुपये के इनामी चार कट्टर नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलवादियों की पहचान सेलू मुडेला उर्फ रघु (55), उसकी पत्नी जैनी खराटम उर्फ अखिला (41) और जंसी तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े उर्फ सरिता (21) के रुप में की गई है। इनमें मुडेला पर 20 लाख रुपये , खराटम पर 16 लाख रुपये , तलंदी और गावड़े पर दो-दो लाख रुपये का इनाम था। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने रविवार को जानकारी दी कि चारों नक्सलवादी ताड?ांव पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत पल्ली के एक जंगल में संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। इसकी भनक लगते ही ताड?ांव पुलिस स्टेशन की टीम ने इन चारों को गिरफ्तार कर लिया। अब तक छानबीन में पता चला है कि चारों इस साल 11 फरवरी को दिरांगी-फुलनार वन क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान सी-60 कमांडो की हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे। पुलिस के अनुसार सैलू मुडेला उर्फ रघु प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) दक्षिण गढ़चिरौली डिवीजन का हिस्सा था। जैनी खराटम उर्फ अखिला भामरागढ़ एरिया कमेटी में थी, जबकि ज़ांसी तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े भामरागढ़ एलओएस का हिस्सा थे। पुलिस के मुताबिक सैलू मुडेला 77 मामलों में शामिल था, जिसमें 34 मुठभेड़, आगजनी की सात घटनाएं, 23 हत्याएं शामिल हैं, जबकि खरातम का नाम 29 मामलों में है, जिसमें 18 मुठभेड़, आगजनी की तीन घटनाएं और चार हत्याएं शामिल हैं। ज़ांसी तलंदी कुल 14 अपराधों में शामिल रहा है।

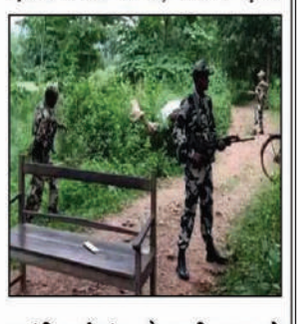

हॉस्पिटल ले जाने की करें व्यवस्था, भर्ती कराकर कराएं समुचित इलाज : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 300 लोगों की समस्याएं

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। इस दौरान एक महिला ने अपने परिजन के इलाज में आर्थिक दृष्टि से लाचार होने की बात कही तो मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने तत्काल अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला के परिजन को हॉस्पिटल ले जाने, भर्ती कराकर समुचित इलाज कराने की व्यवस्था की जाए। और, आगे किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर दिक्कत न हो इसके लिए आयुष्मान कार्ड भी बनवाया जाए। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने या परेशान होने की की जरूरत नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

24 अप्रैल को सिलीगुड़ी आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी

सिलीगुड़ी। आगामी सप्ताह 24 और 25 अप्रैल को फांसीदेवा स्थित संतोषिनी हाई स्कूल मैदान में अंतरराष्ट्रीय संथाल परिषद का नौवां सम्मेलन होने जा रहा है। उक्त सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल और सिक्किम के मुख्यमंत्री को भी आमंत्रित किया गया है।दो दिवसीय इस सम्मेलन में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वदेशी लोगों की परंपराओं और संस्कृति पर प्रकाश डाला जाएगा। यह आयोजन लगभग आठ भागों में आयोजित किया जाएगा। उद्यमियों का मानना है कि अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति से इस आयोजन में नया आयाम जुड़ेगा।

दिल्ली की अदालत ने मकोका मामले में नरेश बाल्यान समेत सात आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ायी

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान और अन्य छह आरोपियों की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। ड्यूटी जज जितेंद्र सिंह ने जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बाल्यान, रितिक उर्फ पीटर, रोहित उर्फ अन्ना, सचिन चिकारा, साहिल उर्फ पोली, विजय उर्फ कालू और ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा की पेशी के बाद उन सभी की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी।सरकारी वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये और जांच अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) नरेश अदालत के समक्ष पेश हुए और साहिल उर्फ पोली तथा विजय उर्फ कालू की न्यायिक हिरासत चार दिन बढ़ाने की मांग की। अदालत ने अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। पुलिस ने गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू द्वारा कथित रूप से चलाये जा रहे संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ मामला दर्ज किया है और पुलिस हिरासत के दौरान चार अप्रैल को मकोका के प्रावधानों के तहत गैंगस्टर नंदू के सगे भाई ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा का बयान दर्ज किया। इस मामले में अदालत ने एक मार्च को दिल्ली पुलिस को बालियान के खिलाफ जांच पूरी करने के लिए 60 दिन का और समय दिया था, जिसे चार दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

कपिल मिश्रा, क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने मुस्तफाबाद क्षेत्र में घटनास्थल का किया दौरा

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा तथा श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद क्षेत्र का दौरा किया, जहां क चार मंजिला इमारत भरभराकर ढहने से छह लोगों की मौत हो गयी और 20 से अधिक घायल हो गये है, जिनमें से कुछ की हालत नाजुक बनी है।श्री मिश्रा के साथ दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह बिष्ट भी उनके साथ मौजूद रहे। श्री मिश्रा ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत हृदयविदारक बताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार पीड़ितों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

ममता सरकार के तुष्टिकरण से बंगाल में हिंसा तो कर्नाटक में जनेऊ पर अपमान, चिंता का कारण : विनोद बंसल

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा के लिए प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया। रविवार को समाचार एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में हो रही हिंसा को सरकार की शह प्राप्त है। ममता बनर्जी की तुष्टिकरण की राजनीति राज्य के अस्थिर हालात के लिए जिम्मेदार है। विनोद बंसल ने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। राज्य में हिंसा की आग प्रशासन की मदद से भड़की हुई है और मुख्यमंत्री शांति की अपील भी सिर्फ मुसलमानों से कर रही हैं। हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर उनका रवैया पूरी तरह उदासीन है। ममता सरकार जिहादी तत्वों को उकसाने और बढ़ावा देने का काम कर रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करने से ममता इनकार करती हैं। यह साफ दर्शाता है कि मुख्यमंत्री जिहादी तुष्टिकरण की नीति में आकंठ डूबी हुई हैं और राज्य को बांग्लादेश बनाने का षड्यंत्र चल रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा है संस्कृति का नवोदय - स्वामी अवधेशानंद गिरि

एजेंसी

नई दिल्ली। जूना अखाड़े के प्रमुख आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि साल 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में भारत की संस्कृति का नवोदय हुआ है। भारत का सनातन हिन्दू समाज इस समय जिस गौरव की अनुभूति कर रहा है, वैसा पहले कभी नहीं हुआ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संस्कृति पर विचारों और भाषणों का संकलन 'संस्कृति का पांचवा अध्याय' पुस्तक के विमोचन के मौके पर अवधेशानंद गिरी संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज विश्व धरोहर दिवस के मौके पर इस किताब का विमोचन किया जा रहा है। यह अपने आप में विशिष्ट बात है। साल 2014 के बाद सर्वत्र नई दिशाएं, नवाचार देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर भारत के सबसे बड़े जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वे 2008 में जब पुर्तगाल में थे तो पहली बार एक योगी ने

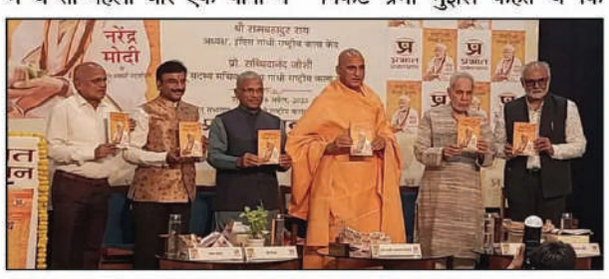

योग दिवस की कल्पना और चर्चा की थी और 21 जून को इसे मनाने का विचार साझा किया था। तब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। यह योग दिवस की कल्पना भी तब साकार हो पाई जब वे प्रधानमंत्री बने। अन्नपूर्णा देवी की प्रतिमा हो या अन्य श्रेष्ठ भारतीय धरोहर, वे सब भारत लौट रहीं हैं और उन पर हमें यदि गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय भी प्रधानमंत्री मोदी की ही जाता है। यहां तक कि 2014 से पहले मेरे ही अनेक निकट प्रेमी मुझसे कहते थे कि आप हिन्दू संस्कृति की बात न कहकर सनातन संस्कृति या भारतीय संस्कृति शब्द प्रयोग किया करें। आज परिस्थिति बदल गई है और लोग गर्व के साथ अपनी हिन्दू संस्कृति और उसकी पहचान और धरोहर पर गर्व करते हुए दिखाई देते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की झूठी स्तुति या अतिरेक सम्मान की बात नहीं है, बल्कि संस्कृति के एक उपासक के तौर पर उन्होंने जो कार्य किया है, उसको इस पुस्तक के माध्यम से भी समझा जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि 'संस्कृति का पांचवां अध्याय' पुस्तक भारत के सांस्कृतिक इतिहास व वर्तमान के बीच कड़ी की तरह है। इस पुस्तक में प्रधानमंत्री मोदी के भारतीय संस्कृति पर केंद्रित 34 भाषण हैं। हरिवंश ने कहा कि 2014 के बाद से भारत में सर्वत्र जो बदलाव देखा जा रहा है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। याद कीजिए कि किसी ने भी 2014 से पहले विकसित भारत की बात तक की हो। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस विकसित भारत का सपना न केवल जन-जन की आंखों में उतार दिया है बल्कि 2047 तक उस लक्ष्य को पाने का एक खाका भी खींच दिया है।

निशिकांत दुबे के बयान से भाजपा ने किया किनारा, जेपी नड्डा बोले- पार्टी ऐसे बयानों का समर्थन नहीं करती

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा द्वारा न्याय पालिका और देश के मुख्य न्यायाधीश को लेकर दिए गए विवादास्पद बयानों से स्पष्ट रूप से दूरी बना ली है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट जारी कर कहा कि ये दोनों बयान व्यक्तिगत हैं। भाजपा का उनसे कोई संबंध नहीं है और पार्टी ऐसे बयानों का समर्थन नहीं करती है। जेपी नड्डा ने कहा, 'भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा के न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान पूरी तरह से व्यक्तिगत हैं। भारतीय जनता पार्टी न तो इन बयानों से सहमति रखती है और न ही ऐसे किसी भी बयान का समर्थन करती है। पार्टी इन बयानों को स्पष्ट रूप से खारिज करती है।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा ने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है और अदालतों के आदेशों एवं सुझावों को सहर्ष स्वीकार किया है। नड्डा ने कहा कि देश की अदालतें, विशेषकर सर्वोच्च न्यायालय, लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ हैं और संविधान की रक्षा का

आधार हैं। भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने दोनों सांसदों को निर्देशित किया है कि भविष्य में इस प्रकार के बयान न दें। साथ ही उन्होंने सभी पार्टी नेताओं को भी ऐसे बयानों से बचने की सलाह दी है। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर है।

एआईसीसी की बैठक में खरगे बोले- नेशनल हेराल्ड और वक्फ पर देश को सच्चाई से रूबरू कराएं

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में एआईसीसी के महासचिवों, कांग्रेस प्रभारियों और विभिन्न आनुषंगिक संगठनों के अध्यक्षों की यहां एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित बैठक में खरगे ने नेशनल हेराल्ड और वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर देश भर में लोगों को सच्चाई और कांग्रेस के रुख के बारे में अवगत कराने का आह्वान किया। उन्होंने देश के अन्य ज्वलंत मुद्दों को भी लगातार उठाते रहने का आग्रह किया। खरगे ने अपने शुरुआती सम्बोधन में 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में हुए एआईसीसी के सत्र की सफलता के लिए पार्टी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि वहां पारित प्रस्तावों को आप सभी को जिला, मंडल, ब्लाक और बूथ तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने गुजरात में जिलाध्यक्षों के चुनाव को लेकर बैठक की और पर्यवेक्षकों से जिलाध्यक्षों के चयन के बारे में विचार-विमर्श किया। नेशनल हेराल्ड की दिल्ली, लखनऊ और मुंबई की सम्पत्तियों को अटैच किए

जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने ईडी की चार्जशीट में सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम शामिल किए जाने को षड्यंत्र करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अहमदाबाद में एआईसीसी के अधिवेशन के तत्काल बाद ही ईडी ने ये जो कार्रवाई की, उसका मकसद साफ है। रायपुर में कांग्रेस महाधिवेशन हुआ था तो उस समय भी वहां उसे विफल करने के लिए हमारे नेताओं के ऊपर ईडी और सीबीआई को लगा कर रेड कराई गई। खरगे ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के इशारे पर लोकसभा चुनाव के पहले हमारे खाते बंद कराए गए। इसके बावजूद देश की जनता ने सच्चाई समझी और लोकसभा में हमारी संख्या पहले से दो गुनी हो गई। सरकार के वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ कांग्रेस ने पूरे विपक्ष को एकजुट किया और बिल का विरोध किया।

दिल्ली मकान हादसा: मुख्यमंत्री ने मृतकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की, दोषियों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में एक चार मंजिला इमारत ढहने के दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्रीमती गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, मुस्तफ़ाबाद में इमारत गिरने की दर्दनाक घटना से मन अत्यंत व्यथित है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राहत एवं बचाव कार्यों में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) और अन्य एजेंसियां जुटी हुई। सभी घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की गई है। इस बीच दिल्ली पुलिस ने बयान जारी कर मृतकों और घायल के बारे जानकारी दी है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस के बयान के मुताबिक, 19 अप्रैल 2025 को लगभग 3:02 बजे गली नंबर 1, शक्ति विहार में एक इमारत के ढहने की सूचना पुलिस स्टेशन दयालपुर को मिली। घटनास्थल पर पहुंचने पर पता

चला कि तहसीन, पुत्र यासीन की चार मंजिला इमारत ढह गई थी, जिसमें कथित तौर पर 22 लोग फंसे हुए थे।' बयान में आगे कहा गया है, 'एनडीआरएफ, डीएफएस और एम्बुलेंस सेवाओं को तुरंत बुलाया गया और बचाव अभियान शुरू किया गया। अब तक 14 लोगों को बचाया गया है और उन्हें जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है, जहाँ उनमें से चार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।÷

उत्तर-पूर्वी जिला की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मृतकों में चांदनी (23), रेशमा (38), दानिश (23) और नवेद (17) शामिल हैं। घायलों में 25 माह की चांद, चार माह का शान, दो माह की सान्या, 45 माह का शाहिद, 38 माह की रेहाना,19 माह की नेहा, 45 माह का अहमद, बीस माह के अल्फेज के अलावा 17 वर्षीय आलिया, 15 वर्षीय तनु और 58 वर्षीय जीनत शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ लेंगे रणनीतिक परिषद की दूसरी बैठक में भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय सऊदी अरब यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के साथ क्षेत्रीय और विश्व मामलों पर विचार-विमर्श करेंगे। दोनों नेता भारत-सऊदी अरब की रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी बैठक में भाग लेंगे। परिषद की पहली बैठक क्राउन प्रिंस की 2023 में हुई यात्रा के दौरान हुई थी।प्रधानमंत्री मोदी और क्राउन प्रिंस के बीच इजराइल-फिलिस्तीन से जुड़ी पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचार-विमर्श होगा तथा लाल सागर में नौवहन सुरक्षा पर खतरे पर भी

चर्चा होगी। इसके अलावा दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में कुछ करार होने की भी संभावना है।प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच रक्षा संपर्क का विस्तार हुआ है तथा स्थल और नौसेना के संयुक्त अभ्यास हुए हैं। उन्होंने कहा कि लाल सागर में हुती विद्रोहियों के हमलों से नौवहन को उत्पन्न खतरे को लेकर भारत चिंतित है। लाल सागर रणनीतिक महत्व का क्षेत्र है। भारत और पश्चिम एशिया के बीच प्रस्तावित आईएमईसी (भारत-पश्चिम एशिया परिवहन कोरिडोर) के बारे में पूछे गए एक सवाल के उत्तर में उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया के घटनाक्रम से इसपर असर पड़ा है लेकिन संबंधित देश इस परियोजना पर विचार-विमर्श करते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में जी20 शिखरवार्ता के इतर आईएमईसी परियोजना की घोषणा की गई थी। भारत, सऊदी अरब, यूएई और इजरायल को इसमें शामिल होना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी ईस्टर पर शुभकामनाऐं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को ईस्टर पर्व पर शुभकामनाऐं देते हुये कहा कि यह ईस्टर इसलिए खास है क्योंकि दुनिया भर में जयंती वर्ष को बहुत उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र अवसर हर व्यक्ति में आशा, नवीनीकरण और करुणा की भावना जगाए। चारों ओर खुशी और सद्भाव हो। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स'पर एक पोस्ट में कहा, सभी को ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह ईस्टर इसलिए खास है क्योंकि दुनिया भर में जयंती वर्ष को बहुत उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र अवसर हर व्यक्ति में आशा, नवीनीकरण और करुणा की भावना जगाए। चारों ओर खुशी और सद्भाव हो। ईस्टर एक ईसाई त्योहार है जो ईसा मसीह के पुनरुत्थान का प्रतीक है। कई ईसाइयों के लिए ईस्टर मृत्यु पर जीवन की विजय का उत्सव है।

कांग्रेस 25 अप्रैल से 30 मई के बीच देश भर में रैलियां कर देगी गुजरात अधिवेशन का संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस 25 अप्रैल से 30 मई के दौरान अलग-अलग चरणों में देश भर में रैलियां करेगी। इन रैलियों का आयोजन 25 से 17 मई तक राज्य स्तर, विधानसभा स्तर और जिला स्तर पर किया जाएगा और आखिरी चरण में 20 से 30 मई के दौरान घर-घर सम्पर्क किया जाएगा। यह निर्णय यहां पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में एआईसीसी महासचिवों, कांग्रेस प्रभारियों और विभिन्न आनुषंगिक संगठनों के अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक में किया गया।कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने इन निर्णयों की पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि 09 अप्रैल को अहमदाबाद में आयोजित एआईसीसी अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर पार्टी आगे बढ़ेगी। अहमदाबाद सत्र में न्याय पत्र, सम्पर्क, समर्थन और संघर्ष प्रस्ताव अपनाया गया था। उसी क्रम में 15 और 16 को राहुल गांधी गुजरात गए और उन्होंने बेलगावी अधिवेशन में पारित प्रस्ताव संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की। वहां 31 मई तक नए अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी। गुजरात के बाद अन्य राज्यों

में भी डीसीसी केंद्रित संगठन सृजन अभियान चलाया जाएगा। जयराम रमेश ने बताया कि आज बैठक में तय किया गया कि देश भर में पार्टी 25 से 30 अप्रैल तक राज्य स्तर पर, 03 से 10 मई तक जिला स्तर पर, 11 से 17 मई तक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर संविधान बचाओ रैलियां करेगी। 20 से 30 मई तक घर-घर संविधान बचाओ सम्पर्क किया जाएगा। इस तरह 25 अप्रैल से 30 मई तक अहमदाबाद अधिवेशन के सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रस्तावों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश के संविधान पर आक्रमण हो रहा है, न्याय और कानून के बहाने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ ईडी जैसी संस्था का दुरुपयोग किया जा रहा है, इस मुद्दे को लेकर 21 और 24 अप्रैल के दौरान विभिन्न राज्यों और जिलों में कांग्रेस प्रेस कान्फ्रेंस करेगी और सच्चाई से देशवासियों को रूबरू कराएगी। अहमदाबाद अधिवेशन में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय हमारी प्रमुख मांगें रहीं। केंद्र सरकार से हमारी ये मांगें जातिगत जनगणना, 2006 में संविधान में शामिल अनुच्छेद 15 (5) में एससी, एसटी और ओबीसी को प्रदत्त निजी शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण लागू करने और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीलिंग सीमा को संविधान संशोधन के जरिये हटाने की हैं।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने मुस्तफाबाद हादसे पर दुख जताया, मुआवजे की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के मुस्तफाबाद में 4 मंजिला इमारत के गिरने से हुई जनहानि पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने हताहतों से जुड़े मुआवजे की भी घोषणा की है।

राष्ट्रपति ने कहा कि दिल्ली के मुस्तफाबाद में एक इमारत गिरने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में बच्चों और महिलाओं समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति वे गहन संवेदना व्यक्त करती हैं। वे घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हैं। वहीं प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में इमारत ढहने से हुई मौतों से दुखी हैं। वे घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

ईवीएम पर आरोप लगाने वाला पुलिसकर्मी नहीं था चुनाव ड्यूटी पर: चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाले पुलिसकर्मी के खिलाफ महाराष्ट्र में एफआईआर दर्ज की गई है। चुनाव आयोग की जांच में सामने आया था कि पुलिसकर्मी महाराष्ट्र में चुनावों के दौरान चुनावी ड्यूटी पर नहीं था। आयोग का कहना है कि पुलिसकर्मी पहले से निलंबित और नाराज चल रहा है। कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर महाराष्ट्र के बीड में सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले का एक वीडियो साझा किया। 17 अप्रैल को कासले ने आरोप लगाया था कि चुनावों के दौरान उनके सामने ईवीएम से छेड़छाड़ की गई और उसे मुंह बंद रखने के लिए 10 लाख रुपये भी दिए गए। वीडियो को आधार बनाते हुए कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जांच के बजाय उल्टा पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पार्टी ने कहा कि ईवीएम में गड़बड़ी को लेकर लगातार इस तरह की बातें सामने आती रहती हैं और हर बार चुनाव आयोग इससे पल्ला झाड़ लेता है। निष्पक्ष चुनाव के लिए ऐसी बातों की जांच होना बेहद जरूरी है।

आयोग ने इस पर जांच संबंधित विषयों को आगे रखते हुए बयान दिया है। आयोग ने कहा कि पुलिसकर्मी नाराज चल रहा था और वे पहले से निलंबित है। ईवीएम से जुड़े सख्त दिशा-निर्देशों के बीच छेड़छाड़ संभव नही है। फिर भी आयोग ने सीईओ के माध्यम से जांच कराई है। बीड के जिला निर्वाचन अधिकारी और एसएसपी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि आरोप लगाने वाला पुलिसकर्मी चुनावी ड्यूटी पर नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीईओ ने मामले में एफआईआर दर्ज करायी है। बयान का उद्देश्य लोगों में अविश्वास पैदा करना था।

सेना ने लद्दाख में मोबाइल कनेक्टिविटी शुरू की, सीमावर्ती गांवों को भी सशक्त बनाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने एक बड़ा कदम उठाते हुए लद्दाख के सुदूर और अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अभूतपूर्व मोबाइल कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान की है जिसमें पूर्वी और पश्चिमी लद्दाख तथा सियाचिन ग्लेशियर के अग्रिम क्षेत्र भी शामिल हैं। सेना ने बताया कि दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों जैसे दौलत बेग ओल्डी, गलवान, डेमचोक, चुमार, बटालिक, द्रास और सियाचिन ग्लेशियर में तैनात सैनिकों को पहली बार अब विश्वसनीय 4 जी और 5 जी मोबाइल कनेक्टिविटी तक पहुंच मिली है। यह पहल सर्दियों में 18,000 फुट से अधिक ऊंचाई पर बिलकुल अलग-थलग चौकियों में तैनात सैनिकों के लिए एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला साबित हुई है, जिससे उन्हें अपने परिवार और प्रियजनों के साथ जुड़े रहने में मदद मिली है। यह महत्वपूर्ण प्रयास संपूर्ण सरकारी ढांचे के तहत एक सहयोगी दृष्टिकोण के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें भारतीय सेना ने अपने मजबूत ऑप्टिकल फाइबर केबल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के साथ साझेदारी की है। फायर एंड फ्यूरी कोर ने इस तालमेल को सक्षम करने में अग्रणी भूमिका निभाई है, जिसके परिणामस्वरूप सेना के बुनियादी ढांचे पर कई मोबाइल टावर लगाए गए हैं, जिनमें अकेले लद्दाख और कारगिल जिलों में चार प्रमुख टावर शामिल हैं। इस पहल का प्रभाव सैन्य कल्याण से कहीं आगे तक फैला हुआ है, यह एक महत्वपूर्ण राष्ट्र निर्माण प्रयास के रूप में उभर रहा है जो दूरदराज के सीमावर्ती गांवों के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को बदल रहा है। 'फर्स्ट विलेज' को राष्ट्रीय डिजिटल नेटवर्क से जोड़कर, यह डिजिटल डिवाइड को पाटने, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने, सीमा पर्यटन को बढ़ावा देने, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन सेवाओं को बढ़ाने, शैक्षिक पहुंच को सक्षम करने, स्थानीय वाणिज्य को मजबूत करने में योगदान दे रहा है। इससे सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण होगा और सीमावर्ती गांवों से पलायन रूकेगा।

संपादक की कलम से

देश में समाप्त होने के कगार पर पहुंचा नक्सलवाद

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी।

मोटापा घटाने वाली ओजेंपिक दवा के साइड इफेक्ट्स भी आ रहे सामने, हो रही ओजेंपिक फीट की समस्या, क्या है ये बीमारी?

वजन घटाने के लिए आजकल कई लोग ओजेम्पिक जैसी इंजेक्शन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं. यह दवाएं उन लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं जो लंबे समय से मोटापे से जूझ रहे हैं. लेकिन हर दवा के कुछ न कुछ साइड इफेक्ट होते हैं. अब तक ह्नओजेम्पिक फेसह्व यानी चेहरे की त्वचा पर वजन घटाने का असर चर्चा में था, लेकिन अब ह्नओजेम्पिक फीटह्व भी एक नया साइड इफेक्ट सामने आया है. इसका असर पैरों की त्वचा, संरचना और चाल-ढाल पर भी पड़ सकता है. आइए विस्तार से जानते हैं कि क्या है ओजेम्पिक फीट और इससे कैसे बचा जा सकता है.

डॉक्टरों के मुताबिक, जब वजन तेजी से घटता है, तो शरीर के कई हिस्सों में फैट की मात्रा कम हो जाती है. यही कारण है कि कुछ लोगों के चेहरे पर झुर्रियां, ढीलापन या उम्र से पहले बूढ़ा दिखने जैसा असर दिखता है, जिसे ह्यओजेम्पिक फेसह्व कहा जाता है. ठीक इसी तरह पैरों में भी ऐसा असर देखा जा रहा है, जिसे ह्नओजेम्पिक फीटह्व कहा जा रहा है.

इसमें पैरों की त्वचा ढीली, झुरीर्दार और पतली हो सकती है. कुछ मामलों में पैरों की चर्बी कम होने की वजह से जूते ढीले लगने लगते हैं या चलने में दर्द और तकलीफ महसूस होती है. कुछ लोगों का जूता साइज भी बदल जाता है.

पैरों में दर्द और बदलाव क्यों होता है?

जब पैरों की चर्बी अचानक कम हो जाती है, तो तलवों में मौजूद फैट पैड्स भी खत्म होने लगते हैं. ये फैट पैड्स हमारे पैर के तलवों में गद्दे की तरह काम करते हैं और चलने के समय झटके को सहन करने में मदद करते हैं. जब ये कम हो जाते हैं तो ऐसा लगता है जैसे इंसान हड्डी पर चल रहा हो. इससे चलना, खड़ा रहना और यहां तक कि जूते पहनना भी मुश्किल हो जाता है. इसके अलावा, जब फैट की परतें घट जाती हैं तो नसें और टेंडन ज्यादा दिखाई देने लगते हैं, जिससे पैरों का लुक उम्रदराज जैसा हो जाता है. फिलहाल ओजेम्पिक फीट से जुड़े मामलों पर बहुत सीमित डेटा है. डॉक्टर मानते हैं कि अभी इसकी रिपोर्टिंग कम हो रही है क्योंकि लोग अपने पैरों के बदलावों पर उतना ध्यान नहीं देते जितना चेहरे पर देते हैं. आने वाले सालों में जैसे-जैसे इस दवा का उपयोग बढ़ेगा, इस साइड इफेक्ट पर भी ज्यादा रिसर्च और रिपोर्ट्स सामने आएंगी. अगर किसी को पैरों में अचानक दर्द, जलन, सुन्नपन या त्वचा में कोई बदलाव महसूस हो तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए।

खूब बरसेगा मानसून, जल-नियोजन जरूरी !

हाल ही में आईएमडी (भारतीय मौसम विभाग) ने यह जानकारी दी है कि इस बार देश में जमकर बारिश होगी। आईएमडी का अनुमान है कि इस बार मानसून में औसत से 105% अधिक बारिश होगी।मौसम विभाग की ओर से ये भविष्यवाणी ऐसे समय में आई है जब देश के कई हिस्से भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं।हालांकि,लद्दाख, पूर्वोत्तर और तमिलनाडु में कम बारिश की संभावना बताई गई है। दरअसल, अल-नीनो और इंडियन ओशियन डाइपोल स्थितियां सामान्य रहने की उम्मीद जताई गई है, जिससे अच्छी बारिश होगी। दूसरे शब्दों में कहें तो मानसून के दौरान अल नीनो की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि जून-सितम्बर के दौरान 105% बरसात हो सकती है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अल नीनो, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र के पानी का गर्म होना है। वास्तव में यह एक प्राकृतिक घटना है, जिससे दुनिया के कई हिस्सों में मौसम का पैटर्न बदल जाता है। यहअल नीनो ही होता है जिसकी वजह से धरती पर गर्म तापमान, सूखा, और तूफान जैसी समस्याएं आती हैं। अल-नीनो के कारण मौसम संबंधी आपदाओं में तीव्रता आ सकती है। वहीं पर यदि हम इंडियन ओशियन डाइपोल स्थितियों यानी कि हिंद महासागर द्विध्रुव(आईओडी) की बात करें तो यह एक जलवायु पैटर्न है, जिसमें हिंद महासागर के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के बीच समुद्र के तापमान में उतार-चढ़ाव होता है। वास्तव में,इस घटना में, हिंद महासागर के पश्चिमी हिस्से में गर्म पानी और पूर्वी हिस्से में ठंडा पानी होता है। पाठकों को बताता चलूं कि इसे इंडियन नीनो भी कहा जाता है। वास्तव में, भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मानसूनी बारिश से जुड़ी अल-नीनो की स्थितियां इस बार विकसित होने की संभावना नहीं हैं। पाठकों को बताता चलूं कि देश के विभिन्न हिस्से फिलहाल भीषण गरमी से जूझ रहे हैं, और उत्तर भारत में तो तापमान अभी से ही यानी कि अप्रैल माह में ही 42 से 45 तक पहुंच गया है। इसी बीच, अप्रैल अंत से जून-2025 के दौरान भीषण गरमी पड़ने का अनुमान जताया गया है, जिससे बिजली ग्रिडों पर अच्छा-खासा दबाव पड़ सकता है और पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत विश्व का एक बड़ा कृषि प्रधान देश है और यहां की कृषि को 'मानसून का जुआ' कहा जाता है।गौरतलब है कि भारत में मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरल के दक्षिणी सिरे पर आता है। यह मध्य सितंबर में वापस चला जाता है। बहरहाल, भारतीय कृषि को मानसून का जुआ इसलिए कहा जाता है, क्योंकि मानसून की अनिश्चितता के कारण यहां की फसलें खराब हो जाती हैं। इससे उत्पादन कम हो जाता है और हमारे देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ता है। मानसून जल निकायों को भी काफी हद तक प्रभावित करता है। मानसून से जुड़े खतरों की यदि हम यहां बात करें तो इससे ओलावृष्टि, चक्रवात, सुखांड, लू, अनावृष्टि, अतिवृष्टि और शीतलहर जैसे प्रचंड मौसम के कारण फसल उत्पादन में हर साल काफी क्षति होती है। वास्तव में, हमारे देश में कृषि क्षेत्र के लिए मानसून बहुत महत्त्वपूर्ण है, जो देश की लगभग 42.3% आबादी की जीविका का आधार है। गौरतलब है कि देश की जीडीपी(सकल घरेलू उत्पाद) में कृषि का योगदान 18.2% होता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि जीडीपी किसी देश में किसी निश्चित अवधि में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य होता है तथा यह किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और स्वास्थ्य का एक माप है। बहरहाल, हमारे देश में कुल खेती योग्य क्षेत्र का आधे से ज्यादा यानी कि लगभग 52% हिस्सा वर्षा आधारित प्रणाली पर निर्भर है। यह देशभर में पीने के पानी और बिजली उत्पादन के लिए जलाशयों को भरने के लिए भी महत्वपूर्ण है। बहरहाल, इस बार मानसून किसानों के लिए राहत और उम्मीदें लेकर आ रहा है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस वर्ष जून से सितंबर के बीच देश में औसत से तीन फीसदी ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। गौरतलब है कि भारत में औसत बारिश 868.6 मिमी होती है और इस साल यानी कि वर्ष 2025 में करीब 895 मिमी बारिश हो सकती है। आईएमडी के अनुसार 2025 में 105 फीसदी यानी 87 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है।अनुमान लगाया गया है कि इस बार उत्तर भारत में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और यूपी(उत्तर प्रदेश) में मानसून समय पर पहुंचेगा। इतना ही नहीं, महाराष्ट्र व मध्य भारत में मराठवाड़ा, विदर्भ में भी गई है। गौरतलब है कि साल बारिश में कमी देखने को मिली थी, लेकिन इस साल(वर्ष 2025) वैश्विक जलवायु संकेतकों में सुधार देखने को मिल रहा है। यदि इस साल भारत में अच्छी बारिश का यह अनुमान सटीक निकलता है तो कहना गलत नहीं होगा कि इससे भारतीय किसानों को खेती में अभूतपूर्व लाभ मिल सकेंगे। मसलन, वे समय पर बुवाई कर सकेंगे तथा इसके साथ ही किसानों की सिंचाई पर निर्भरता भी घटेगी और खेती की लागत में भी कमी आएगी। खरीफ फसलों विशेषकर धान, मक्का, सोयाबीन, कपास आदि की पैदावार बेहतर होने की उम्मीद है। इतना ही नहीं, खेतों में नमी रहने से रबी(गेहूं, जौ, मटर, चना, सरसों, अलसी, मसूर, आलू आदि)की भी अच्छी फसल होगी जिससे महंगाई घटने की उम्मीद है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि बारिश के फायदे और नुकसान दोनों ही हैं। मसलन बारिश के फायदों की अगर बात करें तो बारिश से नदियों, झीलों, और जलभृतों का जलस्तर बढ़ता है और पेड़-पौधों और वनस्पतियों को फायदा पहुंचता है।बारिश से हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर के लिए पानी की कमी पूरी होती है। बारिश का नुकसान यह है कि यदि थोड़े समय में जबरदस्त बारिश हो जाती है, तो इससे बाढ़ जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। हालांकि, यह मानसून खरीफ की फसल के मुनाफिक होता है। अत्यधिक वर्षा के कारण आने वाली विपदाओं से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। महानगरों में निचले स्थानों पर जलभराव की समस्याएं पैदा हो जातीं हैं, क्यों कि नगर नियोजन ठीक नहीं है। अधिक बारिश के कारण बहुत बार कच्चे घर/झोपड़े और जानवर बह जाते हैं। पक्षियों को भी खास परेशानी होती है और खेतों में खड़ी फसलों को जबरदस्त नुकसान पहुंचता है।बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि बीते साल यानी कि वर्ष 2024 में जून-सितम्बर के दौरान रिकॉर्ड औसतन 8% अधिक बारिश हुई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि एक शोध में पाया गया कि पिछले कुछ समय में मानसून की तीव्रता में अच्छी-खासी दीर्घकालिक वृद्धि हुई है, जो पश्चिमी घाट और आसपास के क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा की घटनाओं को बढ़ाने में योगदान दे रही है। उदाहरण के लिए, 2018 और 2019 में वायनाड और कोडागु में आए विनाशकारी भूस्खलन व बाढ़ को इसी का परिणाम बताया गया है। अध्ययन बताते हैं कि पिछले 800 वर्षों में पश्चिमी घाट में मानसून की तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वास्तव में, इसकी वजह जलवायु परिवर्तन माना जा रहा है।बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि इस साल हीटवेव के दिन बढ़ेंगे। यानी 40 फीसदी से ज्यादा तापमान वाले दिनों की संख्या पहले से ज्यादा होगी। ध्यातव्य है कि इस साल अप्रैल के महीने में ही हीटवेव शुरू हो चुकी है। अंत में यही कहूंगा कि मौसम विभाग की भविष्यवाणियों में केवल 4% की त्रुटि होती है, इसलिए अधिक बारिश से सतर्क रहने की भी आवश्यकता महत्ती है। इससे पहले कि देश में अधिक बारिश की परिस्थितियां बनें, हमें यह चाहिए कि हम बरसाती जल का उचित संरक्षण और भंडारण करने की ओर अभी से पर्याप्त ध्यान दें और इसके लिए पूर्व-प्लानिंग करें। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि वर्षा जल संचयन से पानी की आपूर्ति पर पड़ने वाला बोझ कम होता है तथा इससे जहां एक ओर बिजली बिल व मृदा अपरदन में कमी आती है, वहीं जल-संचयन से पीने योग्य पानी, सिंचाई आदि की आवश्यकताओं की भी पूर्ति होती है।

राज्यपालों की राजनीति : राजनीति के राज्यपाल

- रमाकांत नाथ

तमिलनाडु में राज्यपाल द्वारा रोके गए विधेयक मुख्यतः राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित विधायी अधिनियमों में संशोधन पर थे। यदि ऐसा कोई विधायी अधिनियम नहीं बनाया गया तो स्वाभाविक है कि राज्य में उच्च शिक्षा प्रणाली में अराजकता फैल जाएगी। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु में उच्च शिक्षा प्रणाली को भ्रष्ट करने में भूमिका निभाई है।

भारत में संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन का ताजा उदाहरण हाल का सुप्रीम कोर्ट का वह ऐतिहासिक फैसला है जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति संसद या राज्य विधानसभा में पारित किसी भी विधेयक को तीन महीने से अधिक समय तक रोककर नहीं रख सकते। इसके साथ ही अदालत ने पारित विधेयक को कानून का दर्जा देने की समय सीमा तय कर दी है। कुछ लोग इसे विधायिका पर न्यायपालिका का हस्तक्षेप कह सकते हैं, लेकिन राष्ट्रपति और राज्यपाल भारतीय संवैधानिक व्यवस्था से बाहर नहीं हैं, न ही वे लोकतंत्र से ऊपर हैं। इसलिए, राष्ट्रपति और राज्यपाल विधेयक को रोकने के लिए अपने 'पॉकेट वीटो' का उपयोग नहीं कर सकते।

415 पन्नों के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राष्ट्रपति किसी भी राज्य से आने वाले विधेयक को प्राप्ति की तारीख से तीन महीने के भीतर मंजूरी देंगे। यदि उक्त बिल के संबंध में कोई समस्या हो तो इसकी सूचना संबंधित राज्य को दी जा सकती है। इसी प्रकार, राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करेंगे तथा अपने विवेक से विधेयक को रोकने के लिए 'पॉकेट वीटो' का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो संबंधित राज्य सरकार कानून की शरण ले सकती है और संवैधानिक पीठ मामले की सुनवाई करेगी। यद्यपि भारतीय संविधान के अनुच्छेद - 200 में राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए विधेयक पारित करने की कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है, फिर भी राष्ट्रपति और राज्यपाल अपनी इच्छा से विधेयक को रोक नहीं सकते।

फैसले में कहा गया है कि अगर इस आदेश का उल्लंघन होता है तो सुप्रीम कोर्ट इसकी समीक्षा कर सकता है। संविधान के अनुच्छेद - 201 के तहत सर्वोच्च न्यायालय ने अपने विशेषाधिकार के आधार पर विधेयक पारित करने के लिए समय सीमा निर्धारित की है। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार, राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास आने वाले विधेयक उनकी मंजूरी के बाद कानून बन जाते हैं। राष्ट्रपति और राज्यपाल संसद या विधानसभा द्वारा पारित किसी भी विधेयक को लौटा सकते हैं या विधेयक पर अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं।

बिहार में लालू परिवार से हटकर राहुल तैयार कर रहे हैं कांग्रेस की सियासी जमीन

संजय सक्सेना,लखनऊ

ी घड़ी करीब आती जा रही है। चंद महीनों बाद यहां नई सरकार का गठन होना है। सरकार बनाने के लिये एनडीए और इंडिया गठबंधन के साथ-साथ मैदान में जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर और ओवैसी भी अपना भविष्य तलाश रहे हैं। बिहार में अगला सीएम कौन होगा,इसको लेकर एनडीए ने तो साफ कर दिया है कि उनकी तरफ से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं,लेकिन इंडिया गठबंधन या महागठबंधन में शामिल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल यानी आरजेडी के बीच भावी सीएम को लेकर कोई नाम नहीं तय हो पाया है,जबकि आरजेडी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा बता रहे हैं। यह सब तब देखने को आ रहा है जबकि कांग्रेस और राजद के बीच रिश्ता दशकों पुराना है।मगर अब लगता है कि दोनों ही दल इसे आगे बढ़ाने के मूड में नहीं हैं। इसी के चलते मौजूदा दौर में यह गठबंधन एक बेहद नाजुक मोड़ पर खड़ा नजर आ रहा है। लालू यादव और सोनिया गांधी की दोस्ती ने वर्षों तक दोनों दलों के संबंधों को मजबूती दी, लेकिन देखने में यह आ रहा है कि जबसे राहुल गांधी ने कांग्रेस की कमान अपने हाथों में लीं हैं, तबसे यह रिश्ता लगातार खिंचाव का शिकार होता जा रहा है। यह खिंचाव केवल राजनीतिक फैसलों में नहीं, बल्कि वैचारिक टकराव और नेतृत्व के बीच भरोसे की कमी में भी दिखाई देता है।

सबसे बड़ी बात यह है कि राहुल गांधी बिहार में तेजस्वी के समानांतर कांग्रेस के एक नेता को उभारना चाह रहे हैं। राहुल गांधी का कन्हैया कुमार को बिहार में आगे करना और समय-समय पर उनका साथ देना, आरजेडी को साफ तौर पर चुभता है। लालू यादव को यह डर सताता है कि कांग्रेस कहीं उनके यादव वोट बैंक में सेंध न लगा ले, और यही डर तेजस्वी यादव के व्यवहार में भी झलकता है। तेजस्वी खुद को बिहार की राजनीति में एकमात्र विकल्प के रूप में स्थापित करने में लगे हैं, और ऐसे में कन्हैया कुमार जैसे नेताओं का उभार उन्हें असहज कर देता है। यह असहजता सिर्फ जातिगत समीकरणों की वजह से नहीं है, बल्कि कांग्रेस की बदली हुई रणनीति का संकेत भी देती है, जिसमें वह अब खुद को हर वर्ग में स्वीकार्य बनाना चाहती है, चाहे वह सवर्ण हों, दलित हों या यादव। लेकिन समस्या यह है कि लालू यादव कांग्रेस को सवर्णों की राजनीति करने से नहीं रोकते, लेकिन जैसे ही कांग्रेस बिहार के यादव या दलित वोट बैंक में हाथ डालती है, उन्हें परेशानी होने लगती है। पप्पू यादव और कन्हैया कुमार ये दोनों चेहरे लालू यादव के लिए खतरे की घंटी बन गए हैं। खासकर तब, जब ये दोनों नेता सामाजिक न्याय की वही भाषा बोलते हैं जिसे लालू यादव ने दशकों पहले गढ़ा था। पप्पू यादव का क्षेत्रीय प्रभाव और कन्हैया कुमार की वैचारिक पकड़, दोनों ही आरजेडी को अस्थिर कर सकते हैं और राहुल गांधी का इन दोनों को प्रमोट करना, आरजेडी को यह समझाने का संकेत है कि कांग्रेस अब सिर्फ सहायक दल बनकर नहीं रहना चाहती,लेकिन यह टकराव सिर्फ वैचारिक या जातिगत नहीं है, बल्कि नेतृत्व के सवाल पर भी है। कांग्रेस बिहार में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने से कतरा रही है, जबकि आरजेडी स्पष्ट रूप से यह ऐलान कर चुकी है। तेजस्वी की अगुवाई में महागठबंधन की बैठकें हो रही हैं, कोआर्डिनेशन कमेटी बनी है और सब कुछ ऐसा लग रहा है जैसे चुनावी रणनीति उनके नेतृत्व में ही तैयार हो रही हो। लेकिन कांग्रेस का यह मानना कि तेजस्वी का नाम सामने लाकर चुनाव लड़ने से दलित, सवर्ण और गैर-यादव पिछड़ा वर्ग उनके साथ नहीं आएगा, यह दिखाता है कि दोनों दलों की सोच में गहरा फासला है। यह वही कांग्रेस है जिसने कभी लालू यादव के भ्रष्टाचार मामलों में फंसे होने के बावजूद खुलकर उनका समर्थन किया था, लेकिन अब वह अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाना चाहती है। राहुल गांधी की रणनीति यह है कि जैसे 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद का चेहरा नहीं घोषित कर इंडिया गठबंधन ने लड़ा, वैसे ही बिहार में भी मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर सस्पेंस बना रहे ताकि सभी जातियों और वर्गों के वोट एक साथ जोड़े जा सकें। लेकिन लालू और तेजस्वी के लिए यह रणनीति उनकी स्वीकार्यता और नेतृत्व क्षमता पर सीधा सवाल है। गौरतलब है लालू यादव हमेशा से अपने मुस्लिम-यादव समीकरण पर भरोसा करते रहे हैं, और इसी समीकरण को बचाए रखने के लिए वे कांग्रेस को इस दायरे में आने से रोकना चाहते हैं।

चीन में रोबोट्स ने इंसानों के साथ लगाई 21 किमी की दौड़

एजेंसी

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में दुनिया की पहली इंसान और रोबोट के बीच हाफ मैराथन हुई। लोगों के साथ 21 रोबोट्स ने 21 किलो मीटर की दौड़ लगाई। इसे देखने को लिए लोगों के अंदर खासा उत्साह देखा गया। यह अजब-गजब दौड़ बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुई.इस दौड़ का मकसद रोबोटिक्स और टेक्नोलाजी की दुनिया में चीन की तरक्की दिखाना था। चीन की नोएटिक्स रोबोटिक्स और ड्रायडअप कंपनियां के रोबोट्स का साइज 120 सेंटीमीटर से कम था। जबकि कुछ का साइज 1.8 मीटर लंबा था। खास बात यह रही कि रोबोट ने 2.40 घंटे में दौड़ को पूरा किया, जबकि इंसानों ने इसे एक घंटे में इसे पूरा कर लिया। रोबोट्स के साथ इंसानी ट्रेनर भी थे, जिन्होंने दौड़ के दौरान उन्हें सहारा भी दिया। रोबोटिक्स सेंटर के चीफ टेक्नालाजी अफसर तांग जियान ने बताया कि चीन में दस हजार कमर्चारियों पर 470 रोबोट हैं। रोबोट्स ने मैराथन में बेहतर प्रदर्शन किया।

आरपीपी के निषेधित क्षेत्र तोड़ने की घोषणा पर सरकार ने दी कड़ी चेतावनी

काठमांडू। नेपाल में राजशाही के पक्ष में आंदोलन कर रहे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) द्वारा अपने गिरफ्तार नेताओं की रिहाई की मांग करते हुए रविवार को संसद भवन के निषेधित क्षेत्र में प्रदर्शन की घोषणा पर सरकार ने सख्त रवैया अपनाया है। गृह मंत्रालय के तरफ से आज एक बयान जारी करते हुए आरपीपी को निषेधित क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गतिविधि न करने की चेतावनी दी गई है। मंत्रालय के प्रवक्ता रामचन्द्र तिवारी ने कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति, समूह या राजनीतिक दल ने सरकार द्वारा घोषित निषेधित क्षेत्र का उल्लंघन करते हुए प्रदर्शन किया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने आरपीपी का नाम लिख कर यह चेतावनी दी है कि यदि इस पार्टी के द्वारा निषेधित क्षेत्र को तोड़कर प्रदर्शन किया जाएगा तो उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने कहा है कि निषेधित क्षेत्र को तोड़ कर यदि अराजकता फैलाई गई तो उनके सभी शीर्ष नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सरकार मजबूर हो जाएगी। गृह मंत्रालय ने आम जनता से इस तरह के किसी भी गैर कानूनी सभा, प्रदर्शन में सह हाजी नहीं होने और किसी नेता के द्वारा उकसाने पर हिंसा आगजनी जैसी अराजक गतिविधि में सहभागी नहीं होने की अपील की है। सरकार ने रविवार को आरपीपी के द्वारा निषेधित क्षेत्र तोड़ने की घोषणा के मध्यनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। संसद भवन के आसपास की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है तथा संसद के तरफ जाने वाले सभी रास्तों शनिवार की शाम से ही बैरिकेटिंग कर दी गई है।

पाकिस्तान की कायराना करतूतः कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार देने से किया मना; सुप्रीम कोर्ट में दी बेतुकी दलील

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने एक बार फिर नापाक चाल चली है और भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार देने से मना कर दिया है। कुलभूषण जाधव पर पाकिस्तान भारतीय जासूस होने का आरोप लगाता है। अब पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने वहां के सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि कुलभूषण जाधव को अंतरराष्ट्रीय न्याय न्यायालय से सिर्फ काउंसुलर एक्सेस देने का आदेश दिया गया था और कुलभूषण जाधव के पास अपील करने का अधिकार नहीं है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्रालय ने किया दावाः पाकिस्तान का सुप्रीम कोर्ट पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद 9 मई 2023 को पाकिस्तान में भड़की हिंसा के आरोपियों के मामले पर सुनवाई कर रहा था। इस दौरान दावा किया गया कि हिंसा के लिए सैन्य अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए लोगों को अपील का अधिकार नहीं दिया गया है, जबकि भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार दिया गया है। इसके जवाब में ही पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार नहीं दिया गया है बल्कि उन्हें आईसीजे के आदेश के बाद सिर्फ काउंसुलर एक्सेस दिया गया था।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू मंत्री पर हमला, प्रदर्शनकारियों ने टमाटर-आलू फेंके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक हिंदू राज्य मंत्री पर प्रदर्शनकारियों ने हमला बोल दिया। उन्होंने नई नहरों की योजना के खिलाफ रैली निकाली थी। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के सांसद खेल दास कोहिस्तानी, धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री थट्टा जिले से गुजर रहे थे। तभी उनके काफिले पर प्रदर्शनकारियों ने टमाटर और आलू फेंके गए। उपद्रवियों ने संघीय सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए। अधिकारियों ने कहा कि हमले में कोहिस्तानी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। समाचार एजेंसी ने रेडियो पाकिस्तान के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कोहिस्तानी को फोन किया और उन्हें घटना की गहन जांच का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'जन प्रतिनिधियों पर हमला अस्वीकार्य है। घटना में शामिल लोगों को कड़ी सजा दी जाएगी।' सूचना मंत्री अत्ता तरार ने सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) गुलाम नबी मेमन से घटना का ब्योरा मांगा और संघीय आंतरिक सचिव से रिपोर्ट मांगी।

आरपीपी के प्रदर्शन से पहले पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के साथ राजशाही पक्षधर नेताओं की डिनर मीटिंग

एजेंसी

काठमांडू। राजशाही के पक्ष में होने वाले प्रदर्शन से ठीक पहले पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने अपने निकट नेताओं के साथ डिनर मीटिंग की है। निषेधित क्षेत्र तोड़ने की घोषणा से ठीक एक दिन पहले पूर्व राजा के साथ इन नेताओं की बैठक काफी अहम मानी जा रही है।

देर शाम को पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के काठमांडू स्थित निर्मल निवास में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के सात शीर्ष नेताओं के साथ डिनर मीटिंग हुई है। पूर्व राजा के घर पर डिनर मीटिंग पर मिलने वाले नेताओं में आरपीपी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन, पशुपति शमशेर राणा, प्रकाशचंद लोहनी, विक्रम पांडे, ध्रुव बहादुर प्रधान, बुद्धिमान तमांग और ज्ञानेन्द्र शाही मौजूद रहे। इस बैठक के बाद आरपीपी के सांसद ज्ञानेन्द्र शाही ने निर्मल निवास

में पूर्व राजा के साथ हुई बैठक होने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा कि राजसंस्था पुनर्स्थापना को लेकर रविवार से फिर से शुरू होने वाले प्रदर्शन को लेकर चर्चा हुई। साथ ही राजसंस्था समर्थक संगठनों और राजनीतिक दलों के बीच कुछ बातों को लेकर मतभेद पर भी चर्चा हुई। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के साथ आरपीपी नेताओं की यह डिनर मीटिंग ऐसे समय हुई, जब इस पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक ने अपनी पार्टी के अलावा अन्य किसी भी राजसंस्था समर्थित संघ संस्था या अभियान से जुड़ने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया था।

आरपीपी ने अपने पार्टी के सभी पदाधिकारियों पर राजसंस्था समर्थित किसी अन्य संघ संगठन या अभियान में शामिल होने पर रोक लगा दी है। माना जा रहा है कि पूर्व राजा द्वारा आरपीपी पार्टी के भीतर कुछ नेताओं को अलग से संघर्ष की जिम्मेदारी दिए जाने से जो नाराजगी थी, उसी पर चर्चा करने के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने यह डिनर मीटिंग बुलाई थी। एक तरफ आरपीपी के तरफ से रविवार को काठमांडू में निषेधित क्षेत्र को तोड़ कर प्रदर्शन करने की घोषणा किया जा चुका है, वहीं दूसरी तरफ सरकार के तरफ से आरपीपी को ऐसा नहीं करने की चेतावनी भी दी जा चुकी है।

अमेरिकी गृह विभाग के खिलाफ भारतीय व चीनी छात्रों ने दायर की कोर्ट में याचिका

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका द्वारा एफ-1 स्टूडेंट वीजा स्टेट्स रद्द करने से वहां पर पढ़ रहे छात्रों का गुस्सा चरम पर है। स्टूडेंट बीजा रद्द करने के खिलाफ भारत के तीन और चीन के दो छात्रों ने अमेरिका के गृह विभाग और इमिग्रेशन अफसरों के खिलाफ न्यू हैम्पशायर की डिस्ट्रिक कोर्ट में याचिका दायर की गई है। छात्रों का आरोप है कि गैरकानूनी तरीके से अचानक बीजा रद्द करने से उन्हें बीच में ही पढ़ाई छोड़कर जाना पड़ेगा। अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन के मुताबिक याचिका दाखिल करने वाले भारत के छात्र लिंकिथ बाबू गोरेला, धनुज कुमार गुम्माडावेली व मणिकंता पासुला और चीन के हैंगरुई झांग व हाओयांग शामिल हैं। छात्रों की ओर से याचिका में कहा गया है कि एफ-1 स्टेट्स समाप्त होने के कारण छात्र न केवल अवैध प्रवासी की स्थिति में आ गए हैं, बल्कि उन्हें डिटेंशन, डिपोर्टेशन के साथ ही शिक्षा के संकट

का भी सामना करना पड़ेगा। अब वह अपनी डिग्री पूरी नहीं कर पाएंगे और ना ही वह ग्रुजेएशन के बाद दी जाने वाली ट्रेनिंग में हिस्सा ले सकेंगे। छात्रों के वकीलों का तर्क है कि अमेरिकी सरकार ने वीजा स्टेट्स खत्म करने से पहले जरूरी नोटिस या सूचना नहीं दी।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान ने एक-दूसरे की धरती से आतंकवाद न होने देने का लिया संकल्प

एजेंसी

इस्लामाबाद/काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने यह संकल्प लिया कि वे अपनी-अपनी धरती का इस्तेमाल एक-दूसरे के खिलाफ किसी भी प्रकार की आतंकी गतिविधियों के लिए नहीं होने देंगे। यह महत्वपूर्ण सहमति पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार की एक दिवसीय अफगानिस्तान यात्रा के दौरान बनी। डार ने काबुल में अफगानिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद और कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार, आवागमन और सीमा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रेस वार्ता में डार ने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास के लिए दोनों देशों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान अपनी धरती से किसी को अफगानिस्तान के खिलाफ अवैध गतिविधि करने नहीं देगा और अफगानिस्तान से भी ऐसी ही उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यदि कोई तत्व

एक देश की धरती से दूसरे देश के खिलाफ कार्रवाई करता है, तो दूसरा देश उस पर कार्रवाई कर सकता है। दोनों देशों की जमीन से किसी भी प्रकार की आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस बैठक के दौरान मुत्ताकी ने पाकिस्तान में रह रहे अफगान शरणार्थियों की स्थिति पर चिंता जताई और उनकी जबरन वापसी पर आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने पाक सरकार से अफगानों के अधिकारों की रक्षा करने का अनुरोध किया। डार ने आश्वासन दिया कि अफगान शरणार्थियों के साथ कोई गलत व्यवहार नहीं किया जाएगा और उनकी संपत्ति सुरक्षित रहेगी। साथ ही उन्होंने अफगानिस्तान के साथ व्यापार और आवागमन को बढ़ावा देने की भी बात कही। बैठक में पाकिस्तान ने अफगान विदेश मंत्री को पाकिस्तान आने का न्योता भी दिया ताकि उच्च स्तरीय वार्ताओं का सिलसिला आगे बढ़ सके। इस बीच पेशावर में मुख्यमंत्री के सहयोगी ने केंद्र सरकार पर खैबर पख्तूनख्वा को बातचीत से बाहर रखने का आरोप लगाया।

पाकिस्तान की शरीफ सरकार पर संकट, सिंधु नहर परियोजना पर बिलावल भुट्टो ने दी धमकी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सिंधु नदी नहर परियोजना को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। इस विवादास्पद योजना को लेकर पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने शहबाज शरीफ सरकार को गठबंधन से अलग होने की धमकी दी है। पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने रात हैदराबाद के हटरी बाईपास मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए यह चेतावनी दी।बिलावल ने कहा कि अगर संघीय सरकार इस विवादित परियोजना को वापस नहीं लेती है, तो पीपीपी उसके साथ आगे नहीं चल पाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने ही गठबंधन सहयोगियों की बात नहीं सुन रही है और किसानों के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने दावा किया कि यह परियोजना सिंध के जल अधिकारों का हनन है और इससे कृषि क्षेत्र को गहरा नुकसान पहुंचेगा। बिलावल ने कहा कि शहबाज शरीफ को यह समझना चाहिए कि पीपीपी के समर्थन के बिना न तो संसद चल सकती है और न ही बजट पारित हो सकता है। उन्होंने साफ कहा, अगर संघीय

सरकार झुकी नहीं, तो हम भी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। पीपीपी की इस चेतावनी से स्पष्ट है कि सिंधु नदी परियोजना पाकिस्तान की शरीफ सरकार के लिए एक बड़ा राजनीतिक संकट बनती जा रही है। यहीं नहीं, इस परियोजना के खिलाफ सिंध में व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक दल, नागरिक संगठन और व्यापार संघ इसे सिंध के अधिकारों का हनन बता रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने 'पानी को बहने दो' जैसे नारे लगाकर सरकार से परियोजना रद्द करने की मांग की है।

क्या है सिंधु नदी नहर परियोजना?

पाकिस्तानी सरकार ने 'ग्रीन पाकिस्तान इनिशिएटिव' के तहत 3.3 अरब डॉलर की लागत से छह नई नहरों के निर्माण की योजना बनाई है। इसका उद्देश्य दक्षिण पंजाब की 12 लाख एकड़ बंजर भूमि को सिंचित करना है। हालांकि, सिंध प्रांत ने इस पर कड़ा विरोध जताया है। सिंध सरकार को आशंका है कि इन नहरों के कारण सिंधु नदी से उसके हिस्से का पानी कम हो जाएगा, जिससे प्रांत में पानी की भारी किल्लत हो सकती है।

ईरान और अमेरिका ने परमाणु समझौते के लिए रूपरेखा तैयार करने का काम विशेषज्ञों को सौंपा

एजेंसी

दुबई। ईरान और अमेरिका ने एक संभावित परमाणु समझौते की रूपरेखा तैयार करने के लिए बातचीत की अगली जिम्मेदारी विशेषज्ञों को सौंपने पर सहमति जताई है। यह जानकारी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने राज्य टीवी को दी। यह बैठक रोम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य पूर्व मामलों के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ ओमानी मध्यस्थ के माध्यम से हुई। यह दोनों पक्षों के बीच एक हफ्ते में दूसरी अप्रत्यक्ष वार्ता थी, जिसमें चार घंटे तक बातचीत चली। अराकची ने कहा कि बातचीत उपयोगी और रचनात्मक माहौल में हुई। उन्होंने बताया, हम कुछ बुनियादी सिद्धांतों और लक्ष्यों पर प्रगति कर पाए हैं और बेहतर समझ पर पहुंचे हैं। अब तय किया गया है कि बुधवार को ओमान में विशेषज्ञ-स्तरीय बैठकें शुरू होंगी,

जहां संभावित समझौते की रूपरेखा तैयार करने का कार्य आरंभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगले मुख्य वार्ताकार पुनः ओमान में मिलेंगे, ताकि विशेषज्ञों के काम की समीक्षा की जा सके और यह परखा जा सके कि वह संभावित समझौते के सिद्धांतों से कितना मेल खाता है। इस दौरान, अराकची ने ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हालिया टिप्पणी को दोहराते हुए कहा, हम अत्यधिक आशावादी नहीं हैं, न ही अत्यधिक निराशावादी। हम बहुत सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में 2015 के ईरान परमाणु समझौते से अमेरिका को बाहर कर लिया था और अब उन्होंने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि नया समझौता शीघ्र न हुआ तो सैन्य कार्रवाई हो सकती है। ट्रंप ने हाल ही में कहा, मैं बस इतना चाहता हूं कि ईरान परमाणु हथियार न बनाए। वे महान और समृद्ध हो सकते हैं, लेकिन हथियार नहीं होने चाहिए। वहीं, ईरान पहले से कहता आ रहा है कि वो अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म करने, अपने सेंटरफ्यूज को हटाने या संवर्धित यूरेनियम के भंडार को 2015 की सीमा से कम करने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि ईरान ने यह जरूर साफ किया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वो कुछ सीमित प्रतिबंधों के बदले अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से राहत चाहता है।

कोसोवो में 120 नए सांसदों ने ली शपथ, नहीं चुन सके संसद अध्यक्ष

एजेंसी

कोसोवो। कोसोवो में 120 नए सांसदों ने शपथ ली, लेकिन जब संसद अध्यक्ष चुनने की बात आई, तो दो बार कोशिश के बावजूद कोई फैसला नहीं हो सका। इससे देश में राजनीतिक संकट पैदा हो सकता है। 9 फरवरी को हुए चुनाव में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी सीटें स्वीकार कर लीं। इससे संसद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनने का रास्ता साफ हुआ। कोसोवो के कार्यवाहक प्रधानमंत्री एल्बिन कुर्ती की वामपंथी पार्टी स्व-निर्धारण आंदोलन या वेटेवेंडोसजे ने चुनाव में 120 में से 48 सीटें जीतीं, जो बहुमत से 61 सीटें कम हैं। 2021 में इस पार्टी को 58 सीटें मिली थीं। स्पीकर के लिए वेटेवेंडोसजे के उम्मीदवार अल्बुलेना हेक्सिउ को लगातार दो मतों से हार का सामना करना पड़ा, उन्हें 57 वोट मिले, जो 120 सीटों वाली संसद में आवश्यक 61 वोटों से कम है। संसद सोमवार को बुलाई जानी है, लेकिन स्पीकर के बिना, सत्र की प्रक्रिया स्पष्ट नहीं है। संविधान ने नए स्पीकर के चुनाव के लिए आवश्यक समय की अवधि निर्धारित नहीं की है। स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के चुने जाने के बाद, कुर्ती को औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया जाएगा। कैबिनेट बनाने के लिए उन्हें 61 वोट प्राप्त करने होंगे।

राजशाही के पक्ष में प्रदर्शन की घोषणा के बाद शीर्ष नेताओं ने गणतंत्र के लिए प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

काठमांडू। राजशाही के पक्ष में एक बार फिर से प्रदर्शन की घोषणा के साथ ही देश के प्रमुख राजनीतिक दल के सिर्फ नेताओं ने गणतंत्र और संविधान की रक्षा की प्रतिबद्धता दोहराई है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के द्वारा बुलाई गई बैठक में नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देव तथा माओवादी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड तीनों नहीं देश में लोकतंत्र की रक्षा और गणतंत्र के पक्ष में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली सहित प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं ने मौजूदा राजनीतिक प्रणाली और संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र सहित के संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की है। इन तीनों नेताओं ने देश की जनता से राजशाही के पक्ष में हो रहे प्रदर्शन का प्रतिकार करने और लोकतंत्र तथा

गणतंत्र को बचाने के लिए एकजुट होने की अपील की है। प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर शनिवार की शाम को आयोजित एक बैठक में, शीर्ष नेताओं ने राजशाही के पक्ष में बढ़ते प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए सभी गणतंत्र पक्षधर ताकतों को एकजुट होने की आवश्यकता पर बल दिया है।

इस बैठक के बाद प्रधानमंत्री के कानूनी सलाहकार अग्नि खरेल ने कहा कि तीनों शीर्ष नेताओं ने राजतंत्र समर्थकों द्वारा सामाजिक अराजकता पैदा कर लोकतंत्र और गणतंत्र के विरोध में बन रहे माहौल का डट कर सामना करने की चर्चा की है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करके कानून और व्यवस्था को अस्थिर करने के लिए किए जा रहे कृत्यों के प्रति सतर्क रहने के लिए भी आम जनता से अपील की गई है।

प्रधानमंत्री के सलाहकार खरेल ने बताया कि आवश्यकता होने पर तीनों दल सामूहिक रूप से गणतंत्र के पक्ष में प्रदर्शन भी करने को लेकर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि राजतंत्र के पक्ष में प्रदर्शन के नाम पर अराजकता फैलाने, समाज में द्वंद फैलाने और हिंसक वातावरण बनाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए सरकार को साथ देने की भी बात कही है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन में ईस्टर पर युद्धविराम की घोषणा की

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में ईस्टर के अवसर पर अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की है। क्रेमलिन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह युद्धविराम शनिवार शाम 6 बजे (मॉस्को समय) से शुरू होकर रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि तक प्रभावी रहेगा। राष्ट्रपति पुतिन ने जनरल स्टाफ प्रमुख वालेरी गेरासिमोव के साथ बैठक के दौरान कहा, मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, सोमवार रात 12 बजे तक हम ईस्टर युद्धविराम की घोषणा करते हैं। इस दौरान सभी सैन्य गतिविधियां रोक दी जाएं। पुतिन ने आशा जताई कि यूक्रेनी पक्ष भी इस युद्धविराम का पालन करेगा, लेकिन साथ ही अपनी सेना को सतर्क रहने का आदेश दिया कि यदि किसी भी प्रकार का उल्लंघन या उकसावे की कार्रवाई होती है तो उसका तत्काल जवाब दिया जाए। इस

घोषणा के दिन ही रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी सेना ने यूक्रेन की सेना को रूस के कुर्स्क क्षेत्र में उनके एक शेष बचे ठिकाने से खदेड़ दिया है। मंत्रालय ने बताया कि रूसी सेना ने यूक्रेन सीमा से सटे ओलेशन्या गांव पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। साथ ही रूसी रक्षा मंत्रालय ने उसकी वायु रक्षा प्रणाली के द्वारा दो यूक्रेनी ड्रोन मार गिराने की भी बात कही गई है। वहीं, यूक्रेनी वायुसेना ने दावा किया है कि रूस ने रात 87 विस्फोटक ड्रोन और मिसाइल छोड़े, जिनमें से 33 को मार गिराया गया और 36 को इलेक्ट्रॉनिक जामिंग के जरिए निष्क्रिय किया गया। यह युद्धविराम ऐसे समय में आया है, जब युद्ध के दोनों पक्षों में लगातार तनाव और संघर्ष जारी है।

'ये बेहद दर्दनाक': पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ केनेडी की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज जारी, बेटी ने जताई नाराजगी

क्विटो। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ केनेडी की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक कर दिए हैं। इन दस्तावेजों को सार्वजनिक किए जाने पर रॉबर्ट एफ केनेडी की बेटी कैरी ने निराशा जाहिर की है और कहा है कि उन्हें इससे बहुत दुख हुआ है। कैरी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ये बेहद दर्दनाक है कि हमें उनके पोस्टमार्टम के दौरान की तस्वीरें देखनी पड़ रही हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी और उनके भाई रॉबर्ट एफ केनेडी की 60 के दशक में हत्या कर दी गई थी। दोनों की हत्या से जुड़े दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग हो रही थी। जिसके बाद अमेरिकी सरकार ने जॉन एफ केनेडी, रॉबर्ट केनेडी और नागरिक अधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग की हत्या से जुड़े गोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक कर दिए हैं। इस संबंध में राष्ट्रपति ट्रंप ने जनवरी में ही कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रॉबर्ट केनेडी की बेटी कैरी ने कहा कि हम अपने पिता को जिस तरह से याद करते हैं, हम उन्हें उस तरह से नहीं देख पाएंगे बल्कि अब हमें ओटॉप्सी रिपोर्ट, पोस्टमार्टम की तस्वीरों को देखना पड़ेगा और यह बेहद दर्दनाक है। कैरी ने ट्रंप प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि इनकी सरकार में अनगिनत लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

बांग्लादेश में विरोध-प्रदर्शनों पर रोक, फिर भी सड़कों पर उतरे अवामी लीग के सदस्य, शेख हसीना के समर्थन में लगाए नारे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी ने रविवार सुबह खुलना शहर में एक अप्रत्याशित जुलूस निकाला। अवामी लीग के समर्थक ऐसे समय में सड़क पर उतरे जब अंतरिम सरकार ने ऐसे प्रदर्शनों पर रोक लगाने के सख्त आदेश दिए थे। यह विरोध प्रदर्शन खुलना जिला इकाई के बैनर तले आयोजित किया गया। सरकार गिरने के बाद से इस क्षेत्र में अवामी लीग का यह पहला बड़ा प्रदर्शन था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने जिस बैनर को थामा था, उसमें बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान और शेख हसीना की तस्वीरें प्रमुखता से प्रदर्शित थीं। प्रदर्शनकारियों ने 'शेख हसीना, हम डरते नहीं', 'शेख हसीना की सरकार, बार-बार जरूरी है' और 'शेख हसीना हीरो की तरह लौटेंगी' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन से एक दिन पहले ही अंतरिम सरकार के गृह सलाहकार जाहांगीर आलम चौधरी ने सुरक्षा बलों को चेतावनी दी थी कि यदि वे ऐसे अवामी लीग प्रदर्शनों को रोकने में नाकाम रहते हैं, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। चौधरी ने कहा, पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि वे इन प्रदर्शनों को नियंत्रित करने में असफल रहते हैं, तो उन्हें नतीजे भुगतने होंगे। खुलना मेट्रोपॉलिटन पुलिस के ओरिंटोना थाना प्रभारी खैरुल बशार ने बताया कि अवामी लीग के कार्यकर्ता एक वाहन से अचानक उतरे, झटपट जुलूस निकाला और मौके से भाग गए। उन्होंने कहा, यह घटना सुबह के समय हुई जब सड़कों पर ज्यादा भीड़

नहीं थी। हम सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से प्रदर्शनकारियों की पहचान कर रहे हैं और जल्द ही उन्हें हिरासत में लिया जाएगा। इस बीच, बांग्लादेश ने इंटरपोल से पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 11 अन्य के खिलाफ मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश के मामले में रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध किया है। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक द ढाका ट्रिब्यून ने सहायक महानिरीक्षक (मीडिया) इनामुल हक सागर के हवाले से इस घटनाक्रम की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध जांच या चल रही अदालती कार्यवाही के दौरान सामने आए आरोपों के आधार पर किया गया है। उन्होंने बताया कि विदेश में रह रहे भगोड़े आरोपियों की लोकेशन ट्रैक करने में इंटरपोल अहम भूमिका निभाता है। जैसे ही किसी की लोकेशन की पुष्टि होती है, इंटरपोल को सूचित किया जाता है। शेख हसीना पर बांग्लादेश में नरसंहार से लेकर भ्रष्टाचार तक के 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह पिछले साल 5 अगस्त भागकर भारत आ गई थीं। उस समय देश में छात्रों द्वारा शुरू किए गए व्यापक विरोध प्रदर्शनों के चलते उनकी 16 साल पुरानी सत्ता गिर गई थी। अधिकांश पूर्व मंत्री और वरिष्ठ अवामी लीग नेता या तो गिरफ्तार हो चुके हैं या फिर देश छोड़कर भाग गए हैं। उन पर मानवता के खिलाफ अपराधों सहित गंभीर आरोप लगे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख हसीना ऑनलाइन माध्यमों से पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से संपर्क बनाए हुए हैं।

विश्व रिकॉर्ड धारक चेपनगेटिच, जेपचिरचिर ने लंदन मैराथन 2025 से नाम वापस लिया

एजेंसी

लंदन। विश्व रिकॉर्ड धारक रूथ चेपनगेटिच और मौजूदा चैंपियन पेरेस जेपचिरचिर ने लंदन मैराथन से अपना नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने यह जानकारी दौड़ से दो सप्ताह से भी कम समय पहले दी।केन्या की चेपनगेटिच ने पिछले साल शिकागो में महिलाओं का रिकॉर्ड तोड़ दिया था, उन्होंने 2:09:56 का समय निकाला था और 2ः10 का समय का रिकॉर्ड तोड़ने वाली पहली महिला बनी थीं। उन्हें उम्मीद थी कि 27 अप्रैल को लंदन में वे इस समय को और बेहतर कर पाएंगी। उन्होंने एक बयान में कहा, मैं लंदन में अपनी सर्वश्रेष्ठ रेस करने के लिए मानसिक या शारीरिक रूप से सही स्थिति में नहीं हूं और इसलिए मैं रेस से हट रही हूं। रेस से चूकने का मुझे बहुत दुख है और मुझे उम्मीद है कि मैं अगले साल फिर से रेस में शामिल हो पाऊंगी। उनकी हमवतन जेपचिरचिर, जो तीन बार की प्रमुख विजेता हैं और जिन्होंने चार साल पहले टोक्यो में ओलंपिक स्वर्ण जीता था, को टखने में चोट लगी है। उन्होंने कहा, मैं फिर से स्वस्थ होने पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं और उम्मीद करती हूं कि भविष्य में जब मैं पूरी तरह से फिट हो जाऊंगी, तो लंदन वापस आऊंगी।

वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप एशिया क्वालिफायर्स के फाइनल में

नई दिल्ली। मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जा रहे वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप क्वालिफाइंग इवेंट (एशिया) में भारत के वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। वीर चोत्राणी ने सेमीफाइनल मुकाबले में हांगकांग, चीन के आठवें वरीय ची हिम वोंग को 3-1 (11-7, 11-6, 7-11, 11-4) से हराया। वेर अब फाइनल में पाकिस्तान के टॉप सीड मोहम्मद असीम खान और मलेशिया के तीसरे वरीय अमीशेनराज चंद्रन में से किसी एक के खिलाफ खिताबी भिड़ंत करेंगे।महज 17 साल की अनाहत सिंह ने भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की आठवीं वरीय हेलेन टैंग को सीधे गेमों में 3-0 (11-2, 11-7, 11-6) से मात दी। फाइनल में अनाहत का सामना हांगकांग, चीन की टोबी टसे से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में भारत की अकांक्षा सालुंखे को 3-1 (11-3, 12-10, 10-12, 11-8) से हराया।इस टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ियों को 9 से 17 मई तक शिकागो (अमेरिका) में होने वाली वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारतीय खिलाड़ियों के फाइनल तक पहुंचने से देश में स्क्वैश फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

बांग्लादेश-जिम्बाब्वे टेस्ट सीरीज के मीडिया अधिकार नहीं बिकने से बीसीबी निराश

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष फारुक अहमद ने कहा कि बांग्लादेश-जिम्बाब्वे टेस्ट सीरीज के मीडिया अधिकार नहीं बिकने के कारण बोर्ड 'कठिन समय' से गुजर रहा है। उन्होंने यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट का प्रसारण करने के लिए बांग्लादेश टीवी को धन्यवाद दिया। बीसीबी ने 19 मार्च को बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज के मीडिया अधिकारों के लिए बोली लगाने के लिए प्रसारकों को आमंत्रित किया था, लेकिन सात अप्रैल को समय सीमा समाप्त होने के कारण किसी भी पक्ष ने कोई रुचि नहीं दिखाई। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड ने प्रसारकों के साथ सौदे पर बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन कोई रुचि नहीं मिलने के बाद, इसने राज्य प्रसारक बीटीवी से मैच का प्रसारण करने का अनुरोध किया और उसने ऐसा किया। फारुक ने आज ढाका में एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में वित्तीय मंदी है। हम थोड़े मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, सरकार में बदलाव के बाद इसमें कुछ समय लग रहा है। बीटीवी इसका (जिम्बाब्वे सीरीज का) प्रसारण करेगा, हम उनके आभारी हैं। बीटीवी का स्लॉट पाना वाकई मुश्किल था।

नेमार पैरों की मांसपेशियों में नई चोट के शिकार

रियो डी जेनेरियो। सैंटोस फॉरवर्ड नेमार को पैर की मांसपेशियों में नई चोट का पता चला है। 33 वर्षीय नेमार को एटलेटिको मिनेरो पर सैंटोस की 2-0 की जीत के 34वें मिनट में मैदान से बाहर होना पड़ा था। बाद में किए गए परीक्षणों में हैमस्ट्रिंग मांसपेशियों में से एक सेमीमेम्ब्रानोसस को नुकसान की पहचान की गई। अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी बयान में सैंटोस ने कहा कि नई चोट पिछली समस्या की पुनरावृत्ति नहीं थी। उन्होने पहले ही उपचार शुरू कर दिया है और मांसपेशियों को मजबूत करने का काम जारी रखेगा। हालांकि, उन्होंने अपने ठीक होने की अनुमानित समय-सीमा नहीं बताई। नेमार पिछले साल अक्टूबर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट के फटने के बाद से लगातार नरम ऊतकों की चोटों से जूझ रहे हैं। एक साल तक मैदान से दूर रहने के बाद, पिछले अक्टूबर में चोटिल हुए पूर्वकाल क्रूसिएट लिगामेंट से वापसी करने के बाद से ही नेमार को कई तरह की नरम ऊतकों की चोटों से जूझना पड़ रहा है। फॉर्म में वापसी के बाद बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के इस पूर्व स्टार को मार्च में विश्व कप क्वालीफायर के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया था।

आईपीएल 2025: लखनऊ ने राजस्थान को 2 रन से हराया, आवेश खान के आखिरी ओवर ने बदल दी बाज़ी

एजेंसी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 36वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने रोमांचक अंदाज में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 2 रन से शिकस्त दी। सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में अंतिम ओवर तक संघर्ष जारी रहा, लेकिन पारी के आखिरी ओवर में आवेश खान की शानदार गेंदबाजी ने लखनऊ को जीत दिला दी।लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 180 रन बनाए। टीम के लिए एडेन मार्करम ने 66 और आयुष बडोनी ने 50 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। अंतिम ओवरों में अब्दुल समद के तेज 30 रनों ने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। राजस्थान की ओर से वनिंदु हसरंगा ने सबसे अधिक दो विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर, संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे को

एक-एक सफलता मिली।181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत दमदार रही। यशस्वी जायसवाल और 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी ने पहले विकेट के लिए 85 रनों की तेजतर्रार साझेदारी की। सूर्यवंशी ने 20 गेंदों में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 34 रन बनाए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने नीतीश राणा को सस्ते में पवेलियन भेजा। फिर यशस्वी जायसवाल और रियान पराग ने तीसरे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी कर मैच को राजस्थान की ओर मोड़ने की कोशिश की। यशस्वी ने 52 गेंदों में 74 रन बनाए, लेकिन 17वें ओवर में आवेश खान ने उन्हें आउट कर लखनऊ की वापसी करवाई। इसी ओवर में उन्होंने रियान पराग (39) को भी पगबाधा आउट कर राजस्थान को झटका दिया। अंतिम ओवर में राजस्थान को जीत के लिए 9 रनों की जरूरत थी, लेकिन आवेश खान ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए शिमरन हेटमायर को आउट कर राजस्थान की उम्मीदें तोड़ दीं। अंत में ध्रुव जुरेल (6 रन) और शुभम दुबे (3 रन) नाबाद लौटे, लेकिन टीम 178 रन ही बना सकी। लखनऊ के लिए आवेश खान ने 3 विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे। शार्दुल ठाकुर और एडेन मार्करम को एक-एक सफलता मिली।

रामगढ़ को चार विकेट से हराकर जमशेदपुर सेमी फाइनल में

एजेंसी

कोडरमा। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में चंदवारा स्थित पुलिस लाइन मैदान में जमशेदपुर और रामगढ़ के बीच क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रामगढ़ ने 44.3 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 183 रन बनाए। इसमें सचिन कुमार ने 49 रन देवेश गोयल 43 रन और शुभम ने 21 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए जमशेदपुर की ओर से शिवम, युवराज, प्रभजोत ने दो-दो विकेट और समर तथा हुसैन ने एक-एक विकेट लिए। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी जमशेदपुर की टीम 35 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर विजय लक्ष्य को हासिल कर लिया। जमशेदपुर की ओर से अक्षय प्रताप ने 73 रन यशराज ने 25 रन और शिवम ने 24 रन की पारी खेली। गेंदबाजी करते हुए रामगढ़ की ओर से देवेश गोयल ने तीन विकेट आलोक टुडू ने दो विकेट और शिवम ने एक विकेट लिए।

प्रवासी कबड्डी महिला लीगः तेलुगु चीता, पंजाबी टाइग्रेस और तमिल लायनेस ने मारी बाजी

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में महिला मुकाबलों की धमाकेदार शुरुआत हुई, जिसमें तेलुगु चीता, पंजाबी टाइग्रेस और तमिल लायनेस ने शानदार जीत दर्ज कर दर्शकों का दिल जीत लिया। पुरुष वर्ग के मुकाबलों के साथ लीग का आगाज हुआ था। 13 दिनों तक चलने वाली यह लीग गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के मल्टीपर्ज हॉल में आयोजित की जा रही है, जिसका फाइनल 30 अप्रैल को खेला जाएगा। पहली बार अंतरराष्ट्रीय और भारतीय महिला कबड्डी खिलाड़ी एक साथ इस स्तर पर खेल रही हैं, जिससे यह आयोजन ऐतिहासिक बन गया है।

पहला मुकाबला:

तेलुगु चीता ने मराठी फाल्कन को 42-28 से मात दी। मैच में चीता की ओर से 24 रेड पॉइंट, दो सुपर रेड और छह ऑलआउट पॉइंट लिए गए। मराठी टीम ने तीन सुपर टैकल के जरिये वापसी की कोशिश की, लेकिन उनकी रेडिंग कमजोर रही। तेलुगु की संतुलित रणनीति और दमदार डिफेंस ने उन्हें आसान जीत दिलाई।

दूसरा मुकाबला:

पंजाबी टाइग्रेस ने भोजपुरी लेपर्डेस को 41-21 से हराकर धमाकेदार जीत दर्ज की। टाइग्रेस ने 22 रेड और 13 टैकल पॉइंट के साथ छह ऑलआउट लेते हुए दोनों ओर से दबदबा बनाया। भोजपुरी टीम केवल 12 रेड पॉइंट ही हासिल कर सकी और मुकाबले में पीछे रह गई।

तीसरा मुकाबला:

तमिल लायनेस ने हरियाणवी ईगल्स को 44-18 से करारी शिकस्त दी। तमिल टीम ने 24 रेड और 14 टैकल पॉइंट जुटाए और छह ऑलआउट के साथ पूरी तरह हावी रही। हरियाणवी टीम ने दो सुपर टैकल किए, लेकिन

तमिल टीम के जबरदस्त समन्वय और रणनीति के सामने टिक नहीं सकी। इस लीग में कुल 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं, पुरुष वर्ग में मराठी वल्चर, भोजपुरी लेपर्ड, तेलुगु पैंथर्स, तमिल लायन्स, पंजाबी टाइगर्स और हरियाणवी शार्क्स शामिल हैं। जबकि महिला वर्ग में मराठी फाल्कन, भोजपुरी लेपर्डेस, तेलुगु चीता, तमिल लायनेस, पंजाबी टाइग्रेस और हरियाणवी ईगल्स मैदान में हैं।

पूर्व क्रिकेट कप्तान अजहरुद्दीन को झटका, उप्पल स्टेडियम से उनके नाम का स्टैंड हटाने के आदेश

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन को बड़ा झटका दिया है। लोकपाल न्यायमूर्ति ईश्वरैया के आदेश पर एसोसिएशन ने हैदराबाद स्थित उप्पल स्टेडियम के उत्तरी स्टैंड से अजहरुद्दीन का नाम हटाने का निर्देश दिया है। लोकपाल ने जांच के दौरान पाया कि अज़हर ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रहते हुए खुद के नाम का स्टैंड घोषित करने का एकतरफा फैसला लिया था। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन और हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अधिकारियों के खिलाफ 2023 में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया था। एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कांते बोस की शिकायत के आधार पर एचसीए के पूर्व अध्यक्ष अजहरुद्दीन और अन्य पूर्व पदाधिकारियों के खिलाफ उप्पल पुलिस स्टेशन में आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। हैदराबाद पुलिस ने अपनी प्राथमिक जांच में पाया कि इन सभी ने एसोसिएशन के धन का

दुरुपयोग किया था। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए थे। मामला दर्ज होने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने कहा था कि उनके खिलाफ आरोप झूठे और साजिश के तहत लगाए गए थे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच क्रेग फुल्टन का एशिया कप 2025 के लिए मजबूत कोर ग्रुप बनाने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। झांसी में हाल ही में समाप्त हुई 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर मेन नेशनल चैंपियनशिप 2025 के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच क्रेग फुल्टन ने टूर्नामेंट में दिखी प्रतिभा और गहराई पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन से आगामी एशिया कप 2025 की तैयारियों के लिए एक मजबूत कोर ग्रुप तैयार करने में मदद मिलेगी।फुल्टन ने कहा कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट को बारीकी से देखा, खासकर तब जब शीर्ष टीमें आमने-सामने आईं, मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। उन्होंने कहा, जब ताकतवर टीमें भिड़ीं, तो मुकाबले बहुत करीबी थे। गोलकीपिंग से लेकर अन्य पोजिशन तक अच्छी गहराई दिखी। साथ ही कुछ ऐसे खिलाड़ी भी दिखे जो अब तक लीग में नहीं खेले हैं। क्षेत्रीय प्रदर्शन पर बात करते हुए फुल्टन ने विजेता पंजाब की सराहना की, जहां सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष चार टीमों में संतुलन और गुणवत्ता अच्छी रही, लेकिन उसके बाद की टीमों में प्रदर्शन थोड़ा कमजोर दिखा। कोर ग्रुप के चयन

को लेकर फुल्टन ने स्पष्ट किया कि उम्र नहीं, बल्कि सही खिलाड़ी को सही भूमिका के लिए चुनना प्राथमिकता है। हम ज्यादा युवा नहीं, बल्कि सही खिलाड़ी को सही पोजिशन में फिट करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही एक प्रशिक्षण कैंप आयोजित किया जाएगा जिसमें 54 संभावित खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें से 40 खिलाड़ियों का कोर ग्रुप तैयार किया जाएगा। फुल्टन ने बताया कि अगले 18 महीने बेंच स्ट्रेंथ मजबूत करने के लिए बेहद अहम होंगे। स्काउटिंग को लेकर उन्होंने कहा कि हमने व्यक्तिगत प्रदर्शन के साथ-साथ टीम के टैक्टिकल फ्रेमवर्क में उनकी भूमिका को भी आंका। सबसे अहम था डिफेंस, चाहे वह वन-ऑन-वन हो या टीम डिफेंस। फील्ड गोल करने की क्षमता और टैक्टिकल परिस्थितियों से निपटने में सुधार की आवश्यकता को भी फुल्टन ने स्वीकारा। उन्होंने कहा, ÷ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो मैन-टू-मैन और जोनल डिफेंस के खिलाफ गेंद को कुशलता से चला सकें, स्मार्टली प्रेस करें और दबाव में आउटलेट बना सकें।

पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में खालसा कॉलेज और डीयू एल्युमिना का जलवा

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में चल रहे पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए किरोड़ी मल कॉलेज को पुरुष हॉकी मुकाबले में 7-1 से करारी शिकस्त दी। वहीं महिला वर्ग में दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना ने भी दमदार खेल दिखाते हुए भारती कॉलेज को 10-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पकड़ मजबूत कर ली।खालसा कॉलेज की तरफ से मोहित ने दो गोल दागे और टीम की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा रिशुल अरोड़ा, तनुज, हर्ष तेवतिया, विपिन मिश्रा, सागर और पवन ने भी एक-एक गोल कर टीम का स्कोर सात तक पहुंचाया। किरोड़ी मल कॉलेज के लिए ध्रुव ने इकलौता गोल किया। शानदार प्रदर्शन के लिए मोहित को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। महिला हॉकी मुकाबले में दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना की टीम ने एकतरफा खेल दिखाते हुए भारती कॉलेज को 10-0 से हराया। टीम की ओर से सोनाली ने हैट्रिक लगाई, जबकि नीलम शर्मा, पूजा निर्दोष और सुनीता रायडू ने 2-2 गोल किए। मनिता ने भी 1 गोल कर जीत में योगदान दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए सोनाली को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

ब्रिज एशिया-मिडिल ईस्ट में भारत का स्वर्णिम जलवा, सभी टीमें वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने दुबई में आयोजित ब्रिज फेडरेशन ऑफ एशिया एंड मिडिल ईस्ट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक अपने नाम किए। 10 से 18 अप्रैल तक चले इस टूर्नामेंट में पुरुष, महिला और सीनियर वर्ग में भारतीय टीमों ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मिक्स्ड टीम ने रजत पदक हासिल किया। इस कामयाबी के साथ ही चारों भारतीय टीमों ने डेनमार्क में होने वाली वर्ल्ड ब्रिज चैंपियनशिप 2025 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। दुबई में हुए इस टूर्नामेंट में 9 देशों की 25 टीमों ने भाग लिया। भारतीय पुरुष टीम में सुमित मुखर्जी, राजेश्वर तिवारी, सग्निक रॉय, कौस्तभ नंदी, कौस्तुभ मिलिंद बेंद्रे और सायंतन कुशारी शामिल रहे। कोच और नॉन-प्लेइंग कैप्टन की भूमिका में देबाशीष रे रहे। महिला टीम की ओर से पूजा बत्रा, आशा शर्मा, बिंदिया कोहली, प्रिया बालसुब्रमण्यम, भारती डे और

अलका एम क्षीरसागर ने स्वर्ण पदक दिलाया। कोच और नॉन-प्लेइंग कैप्टन अरविंद वैद्य रहे। सीनियर्स टीम में रामरतनम कृष्णन, बी प्रभाकर, बाचिराजू सत्यनारायण, जग्गी बी शिवदासानी, सुभाष गुप्ता और रवि गोयनका ने जीत दर्ज की। कोच गिरीश बिजूर ने टीम का मार्गदर्शन किया।मिक्स्ड टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। इस टीम में राजीव खंडेलवाल, हिमानी खंडेलवाल, राणा रॉय, शीतल बंसल, प्रियरंजन सिन्हा और बिंदिया नायडू शामिल थे। कोच विनय देसाई रहे।

अब डेनमार्क में वर्ल्ड चैंपियनशिप में भिड़ेंगी भारतीय टीमें:47वीं वर्ल्ड ब्रिज चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 20 से 31 अगस्त तक हर्निंग, डेनमार्क में होगा। इसमें भारत समेत 35 देशों की 66 टीमें हिस्सा लेंगी। वर्ल्ड चैंपियनशिप में बर्मूडा बाउल, वेनिस कप, डी'ऑसी ट्रॉफी और वुहान कप जैसी प्रतिष्ठित स्पर्धाएं होंगी।

देबाशीष रे ने बताई आगे की रणनीति: टीम के चीफ-डी-मिशन और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी देबाशीष रे ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई और कहा, यह दुबई में हमारा क्लीन स्वीप रहा, लेकिन डेनमार्क में मुकाबला और कड़ा होगा। अगले 3-4 महीनों में हमें अपनी तैयारी और मज़बूत करनी होगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए कोचों की रिपोर्ट के आधार पर टीम में कुछ बदलाव संभव हैं।

क्रोएशिया के पूर्व खिलाड़ी पोक्रिवैक की कार दुर्घटना में मौत

ज़ाग्रेब (क्रोएशिया)। क्रोएशिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी निकोला पोक्रिवैक की अपने देश में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई है। क्रोएशियाई फुटबॉल महासंघ ने इसकी पुष्टि की है। 39 वर्षीय मिडफील्डर ने अपने करियर में दिनामो ज़ाग्रेब, एएस मोनाको और आरबी साल्ज़बर्ग के लिए खेला और 2008 से 2010 तक 15 अंतरराष्ट्रीय मैच जीते। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पोक्रिवैक को 2015 में हॉजकिन के लिंफोमा का पता चला था, जिसके कारण उन्हें पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेना पड़ा लेकिन वह 2021 में शौकिया फुटबॉल में लौट आए और पिछली गर्मियों में निचली लीग की टीम एनके वोजनिक में शामिल हो गए।

एशियाई अंडर-18 खिताब के बाद अब खेलो इंडिया यूथ गेम्स में चमक बिखेरने को तैयार हिमांशु

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी अरब के दम्माम में आयोजित एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में भारत के हिमांशु जाखड़ ने इतिहास रच दिया। हिमांशु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 67.57 मीटर दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद अब हिमांशु की नजरें 4 से 15 मई तक बिहार में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 पर टिकी हैं। हरियाणा के झज्जर जिले के सलाहवास गांव के रहने वाले 17 वर्षीय हिमांशु ने यह स्वर्ण पदक चीन के लू हाओ (63.45 मीटर) और उज्बेकिस्तान के रुसलान सदुल्लाएव (61.96 मीटर) को पीछे छोड़ते हुए हासिल किया। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले हिमांशु के पिता दलवीर और मां रीना भी अपने बेटे की इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं।

नीरज चोपड़ा से लेते हैं प्रेरणा: हिमांशु ने साई मीडिया को बताया कि पांच साल पहले भाला उठाया था और शुरुआती ट्रेनिंग गांव में ही ली। पिछले कुछ सालों से वो साइ सेंटर हिसार में कोच अरविंद के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। हिमांशु ने कहा, ÷यह अनुभव बहुत शानदार रहा। देश के लिए गोल्ड जीतना मेहनत और अच्छे प्रशिक्षण का ही नतीजा है। मेरी प्रेरणा हमेशा ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा रहे हैं। मैं उनकी विनम्रता और दबाव में भी शांत रहने की कला से बहुत कुछ सीखता हूं।

हिमांशु ने कहा, अब मेरा अगला लक्ष्य खेलो इंडिया यूथ गेम्स है, जहां मैं अपनी काबिलियत दिखाकर देश के प्रतिभा खोजकर्ताओं का ध्यान खींचना चाहता हूं। यह मंच हमारे जैसे युवाओं के लिए बहुत अहम है, जिससे हम आगे चलकर देश का प्रतिनिधित्व कर सकें। गौरतलब है कि हिमांशु ने इससे पहले 700 ग्राम के भाले में 74.56 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिसंबर 2024 में नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में किया था।

बटलर और रदरफोर्ड के तूफान ने गुजरात को नंबर एक पर पहुंचाया

एजेंसी

अहमदाबाद। जॉस बटलर (97 नाबाद) और शरफ़ेन रदरफ़ोर्ड (43) के बीच 119 रन की रिकार्ड साझीदारी की मदद से गुजरात जायंट्स (जीटी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 35वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ सात मैचों में पांच जीत के साथ औसत रन रेट के आधार पर अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच गया है वहीं दिल्ली भी इतने ही अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। जॉस बटलर और रदरफ़ोर्ड के बीच 119 रन की साझेदारी आईपीएल में तीसरे विकेट के लिए जीटी की तरफ़ सबसे बड़ी साझेदारी है, उन्होंने सुंदर और शुभमन गिल के 90 रनों की साझेदारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने पहले खेलते हुये निर्धारित 20 ओवर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आठ विकेट पर 203 रन बनाये थे जिसके जवाब में गुजरात ने विजय लक्ष्य 19.2 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। राहुल तेवतिया (11 नाबाद) की लगातार दो गेंदों में छक्का और चौका लगा कर अपनी टीम को शानदार जीत दिला दी।

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में कप्तान शुभमन गिल (7) का विकेट सस्ते में गिरने के बाद साई सुदर्शन (36) का साथ देने जॉस बटलर क्रीज पर आये। दोनो ने तेजी से रन बटोरते हुये 60 रन की बहुमूल्य साझीदारी कर टीम की नींव को मजबूत किया। सुदर्शन का विकेट आठवें ओवर में कुलदीप ने लिया। बाद में बटलर ने नये बल्लेबाज रदरफोर्ड के साथ मिलकर रनों की बारिश शुरु कर दी जिसे रोकने में दिल्ली के गेंदबाजों के पसीने छूट गये। रदरफोर्ड 19वें ओवर में मुकेश कुमार का शिकार बने। आखिरी ओवर में टीम को जीत के लिये 11 रन की दरकार थी जबकि बटलर को शतक के लिये मात्र तीन रन चाहिये थे।कप्तान अक्षर पटेल ने अपने सबसे अनुभवी गेंदबाज मिचेल स्टार्क को गेंद यह सोचकर थमायी कि वह पिछले मैच का कारनामा दोहरा कर जीत दिलायेंगे मगर स्टार्क की पहली गेंद यार्कर बनने से चूकी और तेवतिया ने उसे हवा में उडाते हुये बाउंड्री के पार पहुंचा दिया और इसके साथ ही दिल्ली की जीत की उम्मीदें हवा हो गयीं। शतक से चूके बटलर ने अपनी मैच जिताऊ पारी के दौरान 54 गेंद खेल कर 11 चौके और चार छक्के लगाये।इससे पहले दिल्ली ने पहले पॉवर प्ले का भरपूर इस्तेमाल करते हुये तेज शुरुआत की और 12 रन प्रति ओवर से भी अधिक गति से रन जुटाये। हालांकि इस बीच मेहमान टीम को अभिषेक पोरल (18) और कप्तान के एल राहुल (28) का विकेट गंवाना पड़ा। तेज शुरुआत के बाद मध्यक्रम ने अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निभाया और करुण नायर (31),कप्तान अक्षर पटेल (39),ट्रिस्टन स्टब्स (31) और आशुतोष शर्मा की तेज तर्रार पारियों ने गुजरात के गेंदबाजों को न सिर्फ हताश किया बल्कि चिलचिलाती धूप में क्षेत्ररक्षकों का भी पसीना निकाल दिया। दिल्ली का स्कोर 220 से भी अधिक हो सकता था मगर गुजरात के गेंदबाजों ने पुछल्ले बल्लेबाजों को खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया। पारी की आखिरी 14 गेंदो में सिर्फ 11 रन आये। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने स्पेल में 41 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट झटके वहीं मो सिराज,इशांत शर्मा,अरशद खान और साई किशोर ने एक एक विकेट निकाला। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने पारी का आखिरी ओवर स्पिनर साई किशोर को दिया जिसमें उन्होने आशुतोष को बांधे रखा और ज्यादा रन नहीं बनाने दिया। साथ ही प्रसिद्ध ने भी कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए चार विकेट निकाले। वहीं सिराज ने अपने पहले दो ओवरो में काफ़ी रन लुटाने के बाद अपने दूसरे स्पैल के दो ओवरों में सिर्फ़ 14 रन देकर एक विकेट लिया। साथ ही इशांत ने भी तीन ओवरों में सिर्फ़ 19 रन ख़र्च किया।

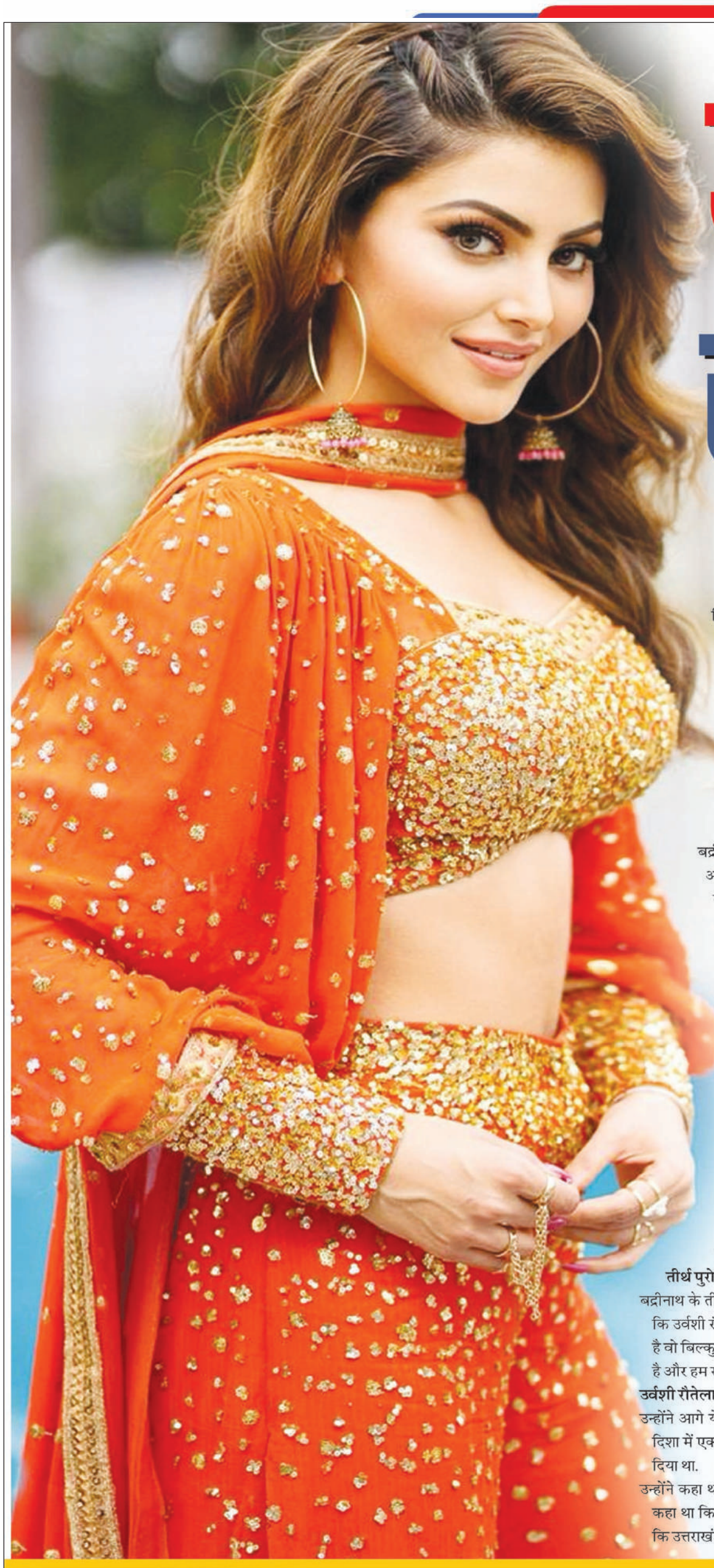

उर्वशी रौतेला

के खिलाफ कार्रवाई हो...' मंदिर वाले बयान पर बुरी फंसी एक्ट्रेस

फिल्म एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अक्सर ही अपने बयानों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. कई बार सोशल मीडिया पर उन्हें अपने बयानों की वजह से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है. एक बार फिर से वो विवादों में घिर गई हैं. हाल ही में उन्होंने एक ऐसा बयान दिया, जिसको लेकर अब उनके खिलाफ कार्रवाईओ की मांग हो रही है. उनका कहना है कि उत्तराखंड में बद्रीनाथ में उनका मंदिर है.

उनके इस बयान ने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है. साधु संतों के साथ-साथ लोगों में भी उनके खिलाफ नाराजगी दिख रही है. बद्रीनाथ मंदिर के पूर्व धर्म अधिकारी भुवन उनियाल ने कहा, हम इसका घोर विरोध करते हैं. ये बात गलत है. समाज में इसका गलत संदेश जाएगा. हमतो कहते हैं कि सरकार को ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए. जब से सुना है कि उर्वशी रौतेला बद्रीनाथ की भगवती उर्वशी की मंदिर को अपना बता रही हैं, तब से हम बहुत दुख में हैं. हम बहुत पीड़ा में हैं. इस बात का हम भारी विरोध करते हैं.

तीर्थ पुरोहित ने जताई नाराजगी

बद्रीनाथ के तीर्थ पुरोहित डॉक्टर ब्रजेश सती ने भी नाराजगी जाहिर की है और उनका भी कहना है कि उर्वशी रौतेला के खिलाफ कार्रवाई हो. उन्होंने कहा, उर्वशी रौतेला द्वारा जो बयान दिया गया है वो बिल्कुल निंदनीय है. उत्तराखंड चारधाम तीर्थ महापंचायत उनके इस बयान की निंदा करता है और हम सरकार से मांग करते हैं कि उर्वशी रौतेला के खिलाफ कार्रवाई की जाए.

उर्वशी रौतेला का दावा

उन्होंने आगे ये भी कहा, हम बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर से भी मांग करते हैं कि उनको इस दिशा में एक्शन लेना चाहिए. उर्वशी ने हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत करते हुए ये बयान दिया था.

उन्होंने कहा था कि बद्रीनाथ के पास जो उर्वशी मंदिर है वो उनके लिए समर्पित है. उन्होंने ये भी कहा था कि वो चाहती हैं कि साउथ में भी उनके नाम का मंदिर बने. हालांकि, आपको बता दें कि उत्तराखंड में जो मंदिर है वो उर्वशी रौतेला का नहीं बल्कि देवी उर्वशी का मंदिर है.

मई से रामायण पार्ट 2 की शूटिंग करेंगे रणबीर कपूर , 'अशोक वाटिका' सीन के लिए तैयार हैं साई पल्लवी

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की दो ऐसी फिल्में आ रही हैं, जिसका इंतजार काफी बेसब्री से किया जा रहा है. पहली है संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर, और दूसरी है नितेश तिवारी की मैग्नम ओपस फिल्म रामायण-पार्ट 1 और 2. ऐसा कहा जा रहा है कि रणबीर ने रामायण के पहले पार्ट की शूटिंग खत्म कर ली है और अब जल्द ही वो दूसरे पार्ट की शूटिंग भी शुरू कर सकते हैं.बॉलीवुड के सावरिया रणबीर इन दिनों पत्नी आलिया के साथ संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं. इस फिल्म में रणबीर और आलिया के अलावा एक्टर विकी कौशल भी लीड रोल में हैं. फिल्म की काफी हाइप है और लोगों को इसका बेसब्री से इंतजार है. खबर है कि रणबीर 'लव एंड वॉर' खत्म करने के बाद रामायण के पार्ट 2 की शूटिंग मई में शुरू कर सकते हैं.

रणबीर का लुक टेस्ट

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की एक रिपोर्ट की मानें तो रणबीर के रामायण शूट के लिए डायरेक्टर नितेश तिवारी ने तैयारियां करनी शुरू कर दीं हैं. रामायण में प्रभू श्री राम के किरदार के लिए रणबीर को जिस तरह का लुक चाहिए वो उन्हें पार्ट 2 के लिए फिर से अचीव करना पड़ेगा, क्योंकि लव एंड वॉर के लिए उनका लुक काफी अलग है. ऐसे में एक्टर का लुक टेस्ट किया जा रहा है. साथ ही फिल्म के सेकेंड पार्ट का टोन थोड़ा डार्क होगा ऐसे में इस फिल्म के लिए कॉस्ट्यूम्स भी अलग से डिजाइन की जाएंगी.

अशोक वाटिका के सींस

मां सीता का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस साई पल्लवी जल्द ही सेकेंड पार्ट के लिए अशोक वाटिका के सींस शूट कर सकती हैं. अशोक वाटिका का सीन रामायण की स्टोरी का काफी क्रूशियल और इम्पोर्टेंट पार्ट हैं. इस सीक्वेंस के साथ दो सॉन्ग्स भी शूट किए जाने हैं, जिसे साई जल्द ही शूट कर सकती हैं. कहा जा रहा है कि मॉनसून से पहले साई इस शेड्यूल को पूरा कर सकती हैं. और अगर सब सही रहा तो इस साल अक्टूबर तक फिल्म का शूट रैप हो सकता है.

कब रिलीज होगी फिल्म

बात करें रामायण की तो इस फिल्म में प्रभू श्री राम के रोल में रणबीर और मां सीता के किरदार में साई पल्लवी के अलावा, रावण के रोल में साउथ सुपरस्टार यश और हनुमान के किरदार में सनी देओल नजर आने वाले हैं.

जब अमिताभ-गोविंदा पर अकेले भारी पड़ गए थे शाहरुख खान, 10 करोड़ी फिल्म से की थी छप्परफाड़ कमाई

शाहरुख खान ने साल 2023 में एक-दो बार नहीं बल्कि तीन-तीन बार बॉक्स ऑफिस लूटा था. पहले उन्होंने 'पठान' और फिर 'जवान' से सुर्खियां बटोरी थी. इसके बाद उसी साल 'डंकी' जैसी सुपरहिट फिल्म भी दी थी. शाहरुख की जवान उस साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली बॉलीवुड फिल्म बनी थी. वैसे ये कारनामा शाहरुख पहले भी कर चुके हैं.शाहरुख खान की 27 साल पहले आई एक फिल्म भी उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पिक्चर साबित हुई थी. उनकी मूवी ने अमिताभ बच्चन और गोविंदा जैसे दिग्गजों की फिल्म को भी पछाड़ दिया था. शाहरुख की पिक्चर का बजट सिर्फ 10 करोड़ रूपये था, लेकिन इसने टिकट विंडो पर 106 करोड़ रुपये का कलेक्शन करके कई रिकॉर्ड ब्रेक कर दिए थे.

'कुछ कुछ होता है' थी 1998 की सबसे कमाऊ फिल्म

शाहरुख खान ने अपने 33 साल के करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों से फैंस को अपना दीवाना बनाया है. उनकी बेहतरीन फिल्मों की लिस्ट में 'कुछ कुछ होता है' को भी शामिल किया जाता है. इसमें शाहरुख ने काजोल और रानी मुखर्जी जैसी मशहूर अदाकाराओं के साथ मिलकर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था.

'कुछ कुछ होता है' 16 अक्टूबर 1998 को दिवाली के खास मौके पर रिलीज हुई थी. इसके प्रोड्यूसर यश जौहर थे, जबकि इसे डायरेक्ट किया था उनके बेटे करण जौहर ने. शाहरुख ने राहुल खन्ना, काजोल ने अंजली शर्मा और रानी मुखर्जी ने टीना मल्होत्रा नाम का किरदार निभाया था. 10 करोड़ में बनी इस फिल्म में इस तिकड़ी ने ऐसा जादू चलाया कि इसने वर्ल्डवाइड 106 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था और ये उस साल की सबसे ज्यादा कमाई वाली हिंदी फिल्म रही.

'बड़े मियां छोटे मियां' को दी थी पटखनी

1998 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्म 'दूल्हे राजा' थी जिसमें गोविंदा लीड रोल में थे. जबकि उस साल की तीसरी सबसे कमाऊ फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' थी. ये फिल्म हिट साबित हुई थी लेकिन शाहरुख की 'कुछ कुछ होता है' से आगे नहीं निकल पाई. इसमें अमिताभ बच्चन और गोविंदा की जोड़ी ने फैंस का खूब मनोरंजन किया था. बड़े मियां छोटे मियां भी 10 करोड़ में ही बनी थी, लेकिन इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 35 करोड़ रुपये ही हो पाई थी.

5 भोजपुरी स्टार्स के बारे में क्या सोचती हैं

रानी चटर्जी

वन लाइन में एक्ट्रेस ने दिया जवाब

भोजपुरी सिनेमा आज के समय में किसी पहचान की मोहताज नहीं है. इस इंडस्ट्री के कुछ सितारे देशभर में पहचाने जाते हैं और उनके गाने भी लोग खूब चाव के साथ सुनते हैं. भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने लगभग हर भोजपुरी स्टार्स के साथ काम किया है और जब उनके 5 स्टार्स के बारे में वन लाइन के अंदर चीजें पूछी गईं तो उन्होंने कॉन्फिडेंस के साथ इसका जवाब दिया था.45 साल की एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने मनोज कुमार की ब्लॉकबस्टर फिल्म ससुरा बड़ा पैसावाला (2003) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्होंने लगभग सभी भोजपुरी स्टार्स के साथ काम किया और उनके लिए एक्ट्रेस ने क्या कहा, आइए जानते हैं.

रानी चटर्जी ने भोजपुरी स्टार्स के लिए क्या कहा ?

का हाल बा पॉडकास्ट के एक एपिसोड में रानी चटर्जी पहुंची थीं जहां उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए. इस दौरान उनसे पूछा गया, 'भोजपुरी के 5 एक्टर जिनके नाम हैं उनके बारे में दो-दो बातें सभी के बारे में आपको बताना है. सबसे पहले निरहुआ जी' इसपर रानी चटर्जी ने कहा, 'वो एक सज्जन आदमी हैं, जो हर किसी को जोड़कर रखना जानते हैं.' दूसरा नाम मनोज तिवारी का लिया गया तो रानी ने कहा था, 'मनोज जी. वो बदमाश हैं.'

तीसरा नाम रवि किशन इसपर रानी ने कहा, 'रवि जी तो इंटैलिजेंट और बेहतरीन एक्टर हैं.' चौथा नाम खेसारी लाल का लिया गया इसपर रानी ने कहा, 'खेसारी जी को थोड़ा संभलकर बोलना चाहिए जहां भी बोलते हैं. खेसारी तो बहुत बड़बड़ करते हैं. बोल देते हैं वो कुछ भी और फिर वही बात उनके ऊपर बैक फायर हो जाती है. ' पांचवा नाम पवन सिंह का लिया गया इसपर रानी चटर्जी ने कहा, 'पवन जी मूडी हैं, वो अच्छों से लिए बहुत अच्छे हैं और बुरे के लिए बहुत बुरे हैं.'

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार्स कौन-कौन हैं ?

भोजपुरी सिनेमा में मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव, खेसारी लाल यादव, पवन सिंह और रवि किशन जैसे एक्टर्स का नाम शामिल है जो सुपसस्टार्स हैं. वहीं रानी चटर्जी, आम्रपाली दुबे, अक्षरा सिंह और मोनालिसा के नाम पॉपुलर एक्ट्रेसेस की लिस्ट में आते हैं जो अच्छी-खासी फीस चार्ज करती हैं. भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में इन सभी के नाम काफी पॉपुलर हैं और इनकी फिल्मों के साथ इनके गाने भी हिट होते हैं. अगर बात रानी चटर्जी की करें तो उन्होंने फिल्म ससुरा बड़ा पैसावाला (2003) से करियर की शुरुआत की थी जो ब्लॉकबस्टर फिल्म थी. इसके बाद उन्होंने कई ऐसी फिल्में कीं जिनमें बिना किसी बड़े एक्टर के फिल्म सुपरहिट हुई.

जम्मू-कश्मीर: एक रात में सबकुछ खत्म !

जम्मू: बादल फटा, तीन की मौत, भारी नुकसाने, नींद में सोए लोगों पर कुदरत का कहर

उधमपुर
रामबन में आई भारी तबाही के बीच डिप्टी कमिश्नर ने छात्रों को लेकर बड़ा फैसला किया है। उन्होंने आदेश जारी करते हुए कहा कि सोमवार (21 अप्रैल) को सभी स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे।
उन्होंने ट्वीट कर कहा कि खराब मौसम और भारी बारिश के कारण बाढ़ आने की संभावना को देखते हुए जिला रामबन के सभी सरकारी और निजी स्कूल, कॉलेज और तकनीकी शिक्षा संस्थान 21 अप्रैल को बंद रहेंगे। घर के अंदर रहें, सुरक्षित रहें। जम्मू-कश्मीर की स्कूल और उच्च शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कहा कि लगातार खराब मौसम की स्थिति और पूवार्नुमान के मद्देनजर, यह निर्णय लिया गया है कि घाटी के सभी स्कूलों में कल (21 अप्रैल) एक दिन के लिए कक्षाएं स्थगित रहेंगी। यह निर्णय सभी छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती कदम के रूप में लिया गया है।

तीन लोगों की मौत
बता दें कि रविवार को आई तबाही में दो सगे भाइयों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। मलबे और भूस्खलन की वजह से जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद हो गया है। लाखों टन मलबा गिरने और दर्जनों जगहों पर भूमि कटाव की वजह से हाईवे को जिस तरह का

नुकसान हुआ, उससे अगले कुछ दिनों तक हाईवे खुलने की उम्मीद नहीं है।

बाढ़ ने मचाई तबाही
मौसम विभाग की 18 से 20 अप्रैल तक खराब मौसम की चेतावनी की अवधि समाप्त होने से पहले मौसम ने रामबन जिला को अपने रौद्र रूप के दर्शन कराए। रात से हो रही वर्षा के बाद रविवार तड़के रामबन जिले के सेरी वगन इलाके में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ ने जबरदस्त तबाही मचाई।
इस जगह पर कुछ वाहन मलबे के साथ नीचे भी चले गए हैं। रामबन में दर्जनों की संख्या में बड़े और छोटे यात्री वाहन मलबे में पूरी तरह या फिर आंशिक रूप से दब कर फंसे हैं। वाहन चालक और यात्री बीच रास्ते में फंसे हुए हैं।

बाढ़ में बह गए कई वाहन

बादल फटने से आए सैलाब के साथ इतना मलबा बह कर आया कि शान पैलेस के पास होटलों के बाहर एक से दो मंजिल उंचा मलबे का पहाड़ लग गया। सेरी में इतना ज्यादा मलबा हाईवे पर जमा हो गया था कि उस पर खड़े होकर कोई भी हाईवे किनारे लगाने वाले साइन बोर्ड को हाथों से छू सकता है। वहीं गनीमत रही होटलों में रुके लोग और स्टाफ सुरक्षित बच गए। मगर होटलों के बाहर खड़े वाहन मलबे के नीचे दब गए। इस त्रासदी की चपेट में आने से दर्जनों वाहनों को नुकसान हुआ है। कुछ के नीचे दब गए हैं, जबकि कई मलबे में बुरी तरह फंसे हैं और कुछ मलबे के साथ सड़क से नीचे चले गए हैं। पीसीआर के मुताबिक त्रास्दी के कारण रामबन जिला के सेरी, केला मोड़ और धर्मकुंड में कुल मिला कर 40 के करीब घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिनमें से धर्मकुंड 10 पूरी तरह तबाह हो गए हैं। कई वाहन भी बाढ़ में बह गए।

घरों में मलबा आने से बड़ा नुकसान
भारी वर्षा के कारण घरों में पानी घुसने से जलभराव के साथ मलबा आने से नुकसान हुआ। बुरी तरह से प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करना पड़ा है। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए स्थिति और भी ज्यादा चिंताजनक बनी हुई है।
त्रासदी के बाद से ही राहत और बचाव कार्य शुरू हो गई है। सेना, पुलिस, सिविल क्यूआरटी सभी तड़के से ही राहत और बजाव कार्य में जुटे हैं। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं, लेकिन खराब मौसम और दुर्गम इलाकों में पहुंचने की कठिनाई से रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी अड़चनें आ रही हैं। सेना और आपदा प्रबंधन की टीमें लगातार काम में जुटी हैं, लेकिन हालात सामान्य होने में अभी समय लग सकता है।

गाड़ियों में फंसे हैं यात्री
वहीं, देश को कश्मीर से जोड़ने वाले जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) त्रास्दी से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है। नाशरी से बनिहाल तक करीब दर्जनभर स्थानों पर मलबा जमा हो गया है। पंतिहाल के पास सड़क का एक हिस्सा पूरी तरह बह गया है।
जिससे सैकड़ों यात्री, ट्रक और बसें रास्ते में फंसी हुई हैं। मारोग, मिहाड़, सेली, केला मोड़, मंकी मोड़ सहित विभिन्न जगहों पर अधिक क्षतिग्रस्त हुआ है। कहीं पर सड़क पर मलबे का पहाड़ जमा होने से बाधित हो गया है, जबकि कुछ जगहों पर भूस्खलन से भूमि कटाव की वजह से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। भूमि कटाव वाले हिस्से में में दर्जनों वाहन फंस चुके हैं। जिनको निकाल पाना फिलहाल मुमिकन नहीं है।

हैदराबाद स्टेडियम में स्टैंड्स से हटेगा मोहम्मद अजहरुद्दीन का नाम

दिल्ली
भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के उत्तरी स्टैंड से उनका नाम हटाने के हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) के लोकपाल के आदेश पर रोक लगाने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की योजना बना रहे हैं।

अजहरुद्दीन ने नियमों का किया दुरुपयोग
न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वी ईश्वरैया ने एचसीए की सदस्य इकाइयों में से एक ला?ड्स क्रिकेट क्लब द्वारा दायर याचिका के आधार पर यह निर्णय लिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि अजहरुद्दीन ने मनमाने फैसले लेकर तत्कालीन एचसीए अध्यक्ष के रूप में अपने पद का दुरुपयोग किया। न्यायमूर्ति ईश्वरैया एचसीए के आचरण अधिकारी भी हैं।
याचिका में आरोप लगाया गया है कि 99 टेस्ट और 334 वनडे मैच खेलने वाले अजहर ने दिसंबर 2019 में उत्तरी स्टैंड का नाम अपने नाम पर रखने के प्रस्ताव को पारित कराने के लिए पूर्व एचसीए अध्यक्ष के रूप में शीर्ष परिषद की बैठक में बैठकर नियमों का उल्लंघन किया। एचसीए संविधान के अनुसार किसी प्रस्ताव को आम सभा (एजीएम) द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है।

पूर्व कप्तान ने क्या कहा?
अजहरुद्दीन ने कहा,"मैं निश्चित रूप से कानूनी सहारा लूंगा और इस आदेश पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालय में अपील करूंगा। यह शर्म की बात है कि एक भारतीय कप्तान का नाम हटाने के लिए कहा जा रहा है।"
पूर्व भारतीय कप्तान ने लोकपाल के आदेश की वैधता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उनका कार्यकाल पहले ही समाप्त हो चुका है।

कठुआ: पुजारी ने देखे 3 संदिग्ध, सेना की वर्दी में थे युवक

जम्मू
कठुआ जिले के हीरानगर के रसाना गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब एक मंदिर के पुजारी ने तड़के 3.30 बजे सेना की वर्दी में तीन संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

अमेरिका दौरे पर राहुल गांधी, छात्रों से करेंगे संवाद

नई दिल्ली
कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को अमेरिका के बोस्टन लोगान इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे। अपनी अमेरिका की यात्रा के दौरान राहुल गांधी रोड आईलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी में छात्रों से बातचीत करेंगे। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी एनआरआई समुदाय के सदस्यों, पदाधिकारियों और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सदस्यों से भी मुलाकात कर सकते हैं। राहुल गांधी की अमेरिकी की यात्रा को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा, "पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी 21 और 22 अप्रैल को संयुक्त राज्य अमेरिका के रोड आईलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे। वहां वह एक भाषण

देंगे और संकाय सदस्यों और छात्रों से बातचीत भी करेंगे।"

पिछली अमेरिकी यात्रा के दौरान राहुल के बयान से मचा था बवाल
बता दें, हाल के दिनों में राहुल गांधी की अमेरिका की ये दूसरी यात्रा है। 2024 के सितंबर के महीने में राहुल गांधी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर गए थे। अपनी यात्रा के दौरान वे डलास गए थे, जहां उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की थी और भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित भी किया था। डलास के बाद कांग्रेस सांसद फिर वाशिंगटन डीसी गए थे, जहां उन्होंने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की थी।

पीएम के कानपुर दौरे से पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने परखी तैयारियां

कानपुर
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को एक दिवसीय दौरे पर कानपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आगामी 24 अप्रैल को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कानपुर दौरे की तैयारियों का निरीक्षण किया और कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जनसभा स्थल, तापीय विद्युत परियोजनाओं और मेट्रो रेल परियोजना का जायजा लिया, साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दौरे की तैयारियों का सीएम ने लिया जायजा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशाल जनसभा के लिए चयनित स्थल का दौरा किया। उन्होंने जनसभा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और आम जनता के लिए आवश्यक सुविधाओं जैसे पेयजल, बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता के इंतजामों की गहन समीक्षा की। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसभा में आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण की जाएं। मुख्यमंत्री ने 37660 मेगावाट क्षमता वाली नेवेली, घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना का निरीक्षण किया। इस परियोजना की कुल लागत 21,780.94 करोड़ रुपये है, जिसमें प्रथम यूनिट (660 मेगावाट) की लागत 9,337.68 करोड़ रुपये है। यह परियोजना कोयला मंत्रालय, भारत सरकार और ऊर्जा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में संचालित हो रही है।

धीरपुर गांव में नि:शुल्क मल्टीस्पेशलिटी मेडिकल कैंप में 120 का स्वास्थ्य जांचा

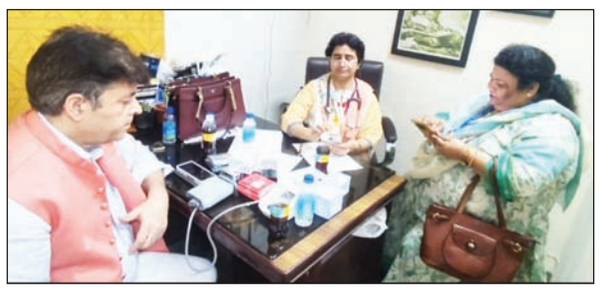

दिव्या दिल्ली : उन्नत भारत अभियान सेल, मिरांडा हाउस कॉलेज एवं ओम हेल्प फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में धीरपुर गांव में एक निःशुल्क मल्टीस्पेशलिटी मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराना था।इस मौके पर धीरपुर की निगम पार्षद सुश्री नेहा अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कैंप का विधिवत शुभारंभ हार्ट रोग विशषज्ञ डा. कविता त्यागी व नेहा अग्रवाल ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। कैंप में डॉ कविता त्यागी की अध्यक्षता में विभिन्न विशेषज्ञ टीमों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। सेंटर फॉर साइट हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम ने नेत्र जांच की और ग्रामीणों को आंखों की देखभाल से जुड़ी सलाह दी। वहीं कलोव डेंटल क्लिनिक की टीम ने दंत परीक्षण कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया।इस स्वास्थ्य शिविर में डॉ कविता त्यागी, डा विजय कुमार व उनकी टीम ने लगभग 120 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। कैंप में ब्लड टेस्ट और ईसीजी जैसी जरूरी जांचें भी पूरी तरह निःशुल्क की गईं।इस अवसर पर डा. कविता त्यागी ने हृदय रोगों के लक्षण, कारण एवं बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम को हार्ट डिजीज से बचाव के लिए आवश्यक बताया। कैंप में ओम हेल्प फाउंडेशन और मिरांडा हाउस कॉलेज के छात्रों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और मरीजों की सहायता में योगदान दिया। फाउंडेशन चैयरमैन बीएस राणा ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। इस अवसर पर ओम हेल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष बचन सिंह राणा, युबीए सैल कोऑर्डिनेटर डा निशा,युबीए प्रेसिडेंट अमीषा मिश्रा, डा प्रदीप अग्रवाल, डा अरविंद त्यागी,अरविंद तिवारी,राजेश कुमार, टेक्निशियन गुरदीप सिंह,मंजू सिंह,अरुण कुमार,सपना कुमारी सहित अन्य मौजूद रहे।

संसद में प्रधानमंत्री प्रश्नकाल शुरू करने का सुझाव

नई दिल्ली
संसद की कार्यवाही को लेकर एक नई किताब सामने आई है। इस किताब में सुझाव दिया गया है कि संसद में बहस के प्रारूप में व्यापक बदलाव और नवाचार की जरूरत है। किताब में कहा गया है कि नेताओं की बार-बार की जाने वाली बयानबाजी के बजाय लोगों की आकांक्षाओं को संसद में बेहतर ढंग से पेश करने और लोगों की समस्याओं के समाधान पर फोकस करने की जरूरत है। किताब में साल में कम से कम 100 दिन

संसद की कार्यवाही चलाने और कार्यपालिका को और जवाबदेह बनाने के लिए प्रधानमंत्री प्रश्नकाल शुरू करने का भी सुझाव दिया गया है। लोकसभा सचिवालय में पूर्व अतिरिक्त सचिव रहे देवेंद्र सिंह द्वारा लिखित किताब 'द इंडियन पार्लियामेंट: संविधान सदन टू संसद भवन' में बताया गया है। 'प्रधानमंत्री के प्रश्नकाल की शुरूआत से भारतीय संसदीय इतिहास में एक नए युग की शुरूआत होगी।'
इसमें कहा गया है कि सप्ताह में एक बार प्रधानमंत्री के प्रश्नकाल की शुरूआत से संसद सदस्यों को अहम मुद्दे उठाने का मौका मिलेगा और प्रधानमंत्री को सरकार की नीतियों को समझाने और आलोचनाओं का सीधे जवाब देने का मौका मिलेगा। किताब में कहा गया है।

हैदराबाद स्टेडियम में स्टैंड्स से हटेगा मोहम्मद अजहरुद्दीन का नाम

नई दिल्ली
भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के उत्तरी स्टैंड से उनका नाम हटाने के हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) के लोकपाल के आदेश पर रोक लगाने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की योजना बना रहे हैं। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वी ईश्वरैया ने एचसीए की सदस्य इकाइयों में से एक लाड्र्स क्रिकेट क्लब द्वारा दायर याचिका के आधार पर यह निर्णय लिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि अजहरुद्दीन ने मनमाने फैसले लेकर तत्कालीन एचसीए अध्यक्ष के रूप में शीर्ष परिषद की बैठक में बैठकर नियमों का उल्लंघन किया।

वर्ल्ड लिवर डे पर फिल्म 'जिगर का टुकड़ा' का कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में हुई स्क्रीनिंग

बिनोद कुमार
दिव्य दिल्ली: वर्ल्ड लिवर डे के मौके पर कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में फिल्म ह्लजिगर का टुकड़ाह्व का स्क्रीनिंग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल मौजूद रहे। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म के स्टार कास्ट और इसके रियल लाइफ किरदार भी कार्यक्रम में मौजूद रहे, उतराखण्ड के पिथौरागढ़ के रहने वाले डॉक्टर अशोक पंत को 50 साल की उम्र में उनके लीवर में शिकायत

आई थी जिसे डॉक्टर द्वारा ट्रांसप्लांट करने की सलाह दी गई साथ ही डॉक्टर ने जानकारी देते हुए कहा कि लिवर ट्रांसप्लांट के बाद भी इंसान 6 महीने से 10 साल तक जिंदा रह सकता है लेकिन 17 साल पहले हुए लिवल ट्रांसप्लांट के बाद भी आज डॉक्टर अशोक पंत एक सामान्य जीवन जी रहे हैं जो समाज के लिए काफी इंस्पिरेशन है। उन्हीं के जीवन पर बनी फिल्म ह्लजिगर का टुकड़ाह्व इस घटना को दशार्ती है साथ ही लोगों से अंगदान के लिए प्रेरित भी करती है। फिल्म के स्क्रीनिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए डॉक्टर पंत ने कहा, अंगदान के लिए लोगों को आगे आकर हिस्सा चाहिए और एक दुसरे को पोत्साहित करना चाहिए। साथ ही जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए जिससे जरूरतमंद लोग सामान्य जीवन जी सके साथ ही उन्होंने लोगो से समान्य जीवन सैली अपनाने की अपील की। मुख्य अतिथि के रूप में आए डॉक्टर नरेश बंसल ने फिल्म के बारे में कहा फिल्म काफी प्रेरणादायक है हर किसी को देखनी चाहिए और अंगदान करनी चाहिए।

चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान अक्सर होने वाली त्रुटियों की पहचान की

नई दिल्ली
चुनाव से जुड़ी छोटी- छोटी त्रुटियों को लेकर चुनाव आयोग अक्सर राजनीतिक दलों के निशाने पर रहता है। हालांकि अब चुनाव आयोग ने इन कमियों को खत्म करने के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया है। चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान अक्सर होने वाली इन त्रुटियों का पहचान की, जिसमें अधिकांश बूथ लेवल पर गठित होने वाली हैं। प्रक्रिया हो या फिर मतदान के दौरान ईवीएम के रखरखाव, उनके लाने -ले जाने या फिर मॉक पोल, मतदान प्रतिशत आदि से जुड़ी हुई समस्याएं हो सकती हैं। यही वजह है कि आयोग ने इस अभियान की शुरूआत भी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के प्रशिक्षण से शुरू की है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397